@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive www.kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

हमारे तट विकास के द्वार हैं: प्रधानमंत्री

वर्ष-15, अंक-03 01-15 फरवरी, 2020 (पाक्षिक) ₹20

नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष
श्री जगत प्रकाश नड्डा

जगत प्रकाश नड्डा निर्वाचित हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष

अभिनंदन! अभिनंदन!! अभिनंदन!!!

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में मुख्यमंत्री परिषद् की बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री श्री अमितशाह, श्री राजनाथ सिंह व अन्य

नई दिल्ली स्थित नरेला में एक संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित तिलक नगर में एक संगठनात्मक बैठक से पहले दीप प्रज्ज्वलित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

सीएए के लागू होने पर नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में मोदी सरकार को धन्यवाद देने हेतु पहुंचे पाकिस्तान से आए दलित शरणार्थियों को संबोधित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सहायक संपादक
संजीव कुमार सिन्हा

संपादक मंडल सदस्य
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
मुकेश कुमार

संपर्क
फोन: +91(11) 23381428

फैक्स
फैक्स: +91(11) 23387887

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 निर्विरोध भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा बने हैं। गत 20 जनवरी 2020 को दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में श्री नड्डा इस पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए...

वैचारिकी

आत्मिक सुख की आवश्यकता 23

श्रद्धांजलि

नहीं रहे पूर्व भाजपा सांसद और वरिष्ठ पत्रकार अश्विनी कुमार चोपड़ा 17

अन्य

विभिन्न राज्यों के नव निर्वाचित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष 18

त्रिपुरा में ब्रू-रियांग समुदाय को बसाने पर ऐतिहासिक निर्णय 20

प्रधानमंत्री मोदी, नेपाली प्रधानमंत्री ने जोगबनी-विराटनगर निगरानी चौकी का उद्घाटन किया 21

भारत के नवीनतम संचार उपग्रह 'जीसैट-30' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण 21

रक्षा मंत्री ने के-9 वज्र तोप के 51वें यूनिट को दिखाई हरी झंडी 22

हमारे तट विकास के द्वार हैं: प्रधानमंत्री 28

अरविन्द केजरीवाल केवल और केवल झूठ के आधार पर ही राजनीति कर रहे हैं: जगत प्रकाश नड्डा 29

दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर 'आरोप पत्र' 30

छः वर्षों में देश बदला है, अब दिल्ली को बदलने की बारी है: अमित शाह 32

10 पूरे देश में कमल को पहुंचाएंगे: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने बाद श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी...

11 नड्डा जी का नेतृत्व हमें नई प्रेरणा और ऊर्जा देगा: नरेन्द्र मोदी

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री जगत प्रकाश नड्डा के लिए पार्टी मुख्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम...

12 नड्डाजी के नेतृत्व में भाजपा निरंतर सशक्त और अधिक व्यापक होगी: अमित शाह

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि सामान्य कार्यकर्ता...

26 सिर्फ परीक्षा के अंक जिंदगी नहीं

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जनवरी को नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में छात्रों के साथ...

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

नरेन्द्र मोदी

पूर्वोत्तर और इसके नागरिकों के विकास के लिए प्रतिबद्ध! इस समझौते से ब्रू-रियांग शरणार्थियों को बहुत मदद मिलेगी। वे कई विकास योजनाओं से भी लाभान्वित होंगे।

राजनाथ सिंह

एनपीआर तो सबसे पहले 2010 में कांग्रेस ने प्रारम्भ किया था। क्या किसी देश को यह जानकारी नहीं होनी चाहिए कि हमारे देश की जनसंख्या कितनी है? हमने क्या अपराध किया है एनपीआर बनाने में? एनपीआर में किसी को भी बाध्य नहीं किया जाएगा।

अमित शाह

कांग्रेस व केजरीवाल ने देश को गुमराह कर दंगे कराए, दिल्ली को असुरक्षित किया। ये अभी भी कह रहे हैं कि हम शाहीन बाग के साथ हैं। मैं दिल्ली की जनता को कहना चाहता हूं कि ये लोग दिल्ली को कभी सुरक्षित नहीं रख सकते क्योंकि इनकी आंखों पर वोट बैंक की पट्टी बंधी है।

facebook

मोदी जी ने 1,731 अनाधिकृत कॉलोनियों को अधिकृत करने का काम किया है। केजरीवाल ने इस योजना में भी अड़ंगे लगाएं लेकिन वो सफल नहीं हो पाएं। दिल्ली का विकास भाजपा के द्वारा ही संभव है।

— जगत प्रकाश नड्डा

हिंदुस्तान को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बदलकर रख दिया है। सीएए जैसे मानवीय कानून की बदौलत पड़ोसी मुल्क से यातनाएं झेलकर भारत आए हमारे शरणार्थी बंधुओं को नया जीवन मिला है। सुन लो, भारत तेरे टुकड़े होंगे, कहने वालों अगर जरूरत पड़ी तो हम अपने खून की अंतिम बूंद तक दे देंगे; लेकिन भारत को टूटने नहीं दिया जायेगा, बंटने नहीं दिया जायेगा।

— शिवराज सिंह चौहान

जब लोकतंत्र का चौथा स्तंभ 'पब्लिसिटी स्टंट' और सेलिब्रिटी की दिखावी उपस्थिति से भरा पड़ा है, तब दूरदराज का असली भारत सीएए के समर्थन में खड़ा है। देश सीएए का समर्थन करता है।

— बी एल संतोष

अभिनंदन! अभिनंदन!! अभिनंदन!!!

कमल संदेश परिवार

की ओर से

श्री जगत प्रकाश नड्डा

को विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर

हार्दिक बधाई!

आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा नई ऊंचाइयों को छुएगी और सभी मोर्चे पर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त करेगी, ऐसी कामना करते हैं।

जगत प्रकाश नड्डा भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष

श्री जगत प्रकाश नड्डा भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। श्री जगत प्रकाश नड्डा भाजपा की उस स्वर्णिम परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें एक कार्यकर्ता की यात्रा उसे पार्टी के सर्वोच्च दायित्व तक ले जाती है। पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन के अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है तथा संगठन में लंबे समय तक कार्य करते हुए हर कार्यकर्ता की प्रेरणा के रूप में उभरे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि आने वाले समय में श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में पार्टी अपनी गौरवशाली यात्रा को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

भारतीय जनता पार्टी का लोकतंत्र पर अटूट विश्वास है तथा पार्टी आंतरिक लोकतंत्र की परंपरा का निरंतर पालन करती आयी है। अपने सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्धता तथा अपनी विशिष्ट विचारधारा एवं दर्शन के लिए जानी जाने वाली भाजपा ने एक लंबी यात्रा पूरी की है। पार्टी ने अपने स्थापना के दिनों से आज तक अपनी इन्हीं विशेषताओं के कारण अपना लगातार विस्तार किया है तथा भारतीय राजनैतिक परिदृश्य में अपनी जड़ों को मजबूत किया है। लोकतंत्र पर अटूट विश्वास के कारण ही भाजपा एक भविष्योन्मुखी गतिशील राजनैतिक दल के रूप में स्थापित हुई है, जिसमें नए-नए विचार एवं नेतृत्व के लिए समुचित स्थान है।

विचारधारा पर आधारित यह पार्टी जिसका अपने कार्यकर्ताओं पर विश्वास है तथा जो अपने सिद्धांतों एवं लक्ष्यों से कोई समझौता नहीं करती, अपने आंतरिक लोकतंत्र के लिए भी उतनी ही प्रतिबद्ध है। इस बार फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव से पूर्व व्यापक सदस्यता अभियान चलाया गया जिससे भाजपा और भी अधिक बड़ी बन गई। 11 करोड़ सदस्यों की पार्टी से बड़ी बनकर अब 17 करोड़ से भी अधिक सदस्यों की पार्टी बन गई है। भाजपा ने सदस्यता अभियान के बाद 'सक्रिय सदस्य' बनाने की प्रक्रिया को भी पूरा किया है। यह जानकर किसी को भी आश्चर्य होगा कि संगठन के अंदर एक बहुत ही व्यापक चुनाव की प्रक्रिया संपन्न हुई है जिसके अंतर्गत 75 प्रतिशत बूथ समितियों का गठन, 50 प्रतिशत मंडल अध्यक्षों का चुनाव, 60 प्रतिशत जिलाध्यक्षों का चुनाव एवं 21 प्रदेशों में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव पूर्ण हो चुका है। इसके अलावा राष्ट्रीय कार्य परिषद् के सदस्यों का भी चुनाव हुआ है। इतना विशाल एवं व्यापक चुनावी प्रक्रिया किसी और दल में सोचा भी नहीं जा सकता और यही कारण है कि भाजपा का विस्तार इतनी तेज गति से हो रहा है।

श्री जगत प्रकाश नड्डा भाजपा की उस स्वर्णिम परंपरा का प्रतिनिधित्व करते हैं जिसमें एक कार्यकर्ता की यात्रा उसे पार्टी के सर्वोच्च दायित्व तक ले जाती है। पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संगठन की अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया हैं।

गत साढ़े पांच वर्ष भाजपा के लिये बहुत ही महत्वपूर्ण रहे। श्री अमित शाह की अध्यक्षता में भाजपा ने न केवल अनेक चुनावी सफलताएं प्राप्त की, बल्कि संगठन का भी व्यापक विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हुआ। 2014 के चुनावों में विजय के पश्चात् जब श्री राजनाथ सिंह से राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व श्री अमित शाह को प्राप्त हुआ, उन्होंने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बनाने का संकल्प लिया। श्री अमित शाह के नेतृत्व में लाखों कार्यकर्ताओं के दिन-रात कड़ी मेहनत के फलस्वरूप यह संकल्प पूर्ण हुआ और भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी बन गई। इसके बाद 'महासंपर्क अभियान' एवं 'प्रशिक्षण महाभियान' को सफलतापूर्वक चलाया गया। संगठन में 'विभाग' एवं 'प्रकल्प' का गठन कर संगठनात्मक कार्यप्रणाली को और भी अधिक सशक्त बनाया गया। पार्टी ने अपना आधार उन प्रदेश में भी विस्तारित किया जो भाजपा के लिए असंभव माने जाते थे। असम, त्रिपुरा, मणिपुर एवं अरुणाचल प्रदेश में भाजपा की जबरदस्त जीत से देश का राजनैतिक इतिहास ही बदल गया है। इसके अलावा, देश के हर भाग में भाजपा ने अपनी मजबूत स्थिति दर्ज की और जिन क्षेत्रों में संगठनात्मक रूप से कमजोर मानी जाती थी, वहां एक महत्वपूर्ण राजनैतिक शक्ति के रूप में उभरी है। श्री अमित शाह की दूरदर्शी एवं संकल्पशक्ति से युक्त नेतृत्व में भाजपा ने अनेक उपलब्धियां अपनी झोली में डाल ली है।

भारतीय जनता पार्टी एक विशिष्ट राजनैतिक दल तो है ही, साथ ही भारतीय लोकतंत्र के लिए एक बहुमूल्य सौगात भी है। भाजपा की नींव रखने वाले दूरद्रष्टाओं को पता था कि यदि भारत में लोकतंत्र को सफल बनाना है तब इसके लिए एक ऐसी राजनैतिक पार्टी आवश्यक है, जिसमें आंतरिक लोकतंत्र जीवंत हो। आज जबकि अधिकतर राजनैतिक दल वंशवाद-परिवारवाद की भेंट चढ़ चुके हैं, भाजपा ऐसी राजनैतिक पार्टी है जो लोकतंत्र के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। यह कार्यकर्ताओं की पार्टी है जो सिद्धांतों के प्रति समर्पित है। जैसाकि निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह ने कहा कि पार्टी को अभी और भी कई शिखर प्राप्त करने हैं, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों में यह कहा जा सकता है कि नए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नेतृत्व में आने वाले दिनों में भाजपा नई ऊंचाइयों को छुएगी। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

निर्विरोध भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए जगत प्रकाश नड्डा

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, लेकिन यहां की गिनी-चुनी पार्टियों में ही आंतरिक लोकतंत्र बचा है। भारतीय जनता पार्टी इस मायने में एक विशिष्ट राजनीतिक दल है जहां लोकतांत्रिक तरीके से नियमित तौर पर संगठनात्मक चुनाव संपन्न होते हैं। ऐसे में जब अधिकांश राजनीतिक दल वंशवाद के महारोग से ग्रस्त हो गए हैं, वैसे में भाजपा में आंतरिक लोकतंत्र का सशक्त होना इसे निश्चित रूप से अन्य दलों से भिन्न बनाता है।

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा बने हैं। गत 20 जनवरी 2020 को दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में श्री नड्डा इस पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राधामोहन सिंह ने श्री जगत प्रकाश नड्डा के नए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की घोषणा की।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष उम्मीदवार के तौर पर श्री नड्डा के नाम का प्रस्ताव निवर्तमान भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री सर्वश्री राजनाथ सिंह एवं नितिन गडकरी, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रीगण एवं पार्टी पदाधिकारियों ने प्रस्तुत किया।

ध्यातव्य है कि नामांकन की प्रक्रिया संपन्न होने के बाद श्री नड्डा इकलौते उम्मीदवार बचे थे। वे तीन साल तक इस पद पर रहेंगे।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठनात्मक चुनाव कार्यक्रम की प्रक्रिया के बारे में बताते हुए श्री राधामोहन सिंह ने बताया कि पहले चरण में सदस्यता एवं सक्रिय सदस्यता के अभियान के बाद 75 प्रतिशत बूथ समितियों का गठन होने के बाद, 50 प्रतिशत मंडल समितियों का गठन हुआ। उसके बाद देश भर में 60 प्रतिशत जिलों में विधिवत चुनाव भाजपा के संविधान के अनुसार संपन्न होने के बाद 21 प्रांतों का प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय परिषद् सदस्यों का चुनाव संपन्न हुआ।

विदित हो कि श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्री अमित शाह की जगह ली है। श्री शाह करीब साढ़े पांच साल तक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। श्री अमित शाह के गृह मंत्री बनने के बाद जून 2019 में श्री नड्डा भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त हुए थे।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, श्री अमित शाह, श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे। ■

जीवन परिचय

भाजपा के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए संगठन की सेवा की है। हिमाचल प्रदेश से आने वाले श्री नड्डा का जन्म डॉ. नारायण लाल नड्डा और माता स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा नड्डा के घर 2 दिसंबर 1960 को हुआ था। उनका विवाह 11 दिसंबर 1991 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में इतिहास की प्रोफेसर डॉ. मल्लिका नड्डा के साथ हुआ। हिमाचल प्रदेश और बिहार में अपने छात्र जीवन के दौरान श्री नड्डा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के सक्रिय सदस्य रहे और विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए आज पार्टी के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे हैं।

शुरुआती जीवन

आपातकाल के काले दिनों के दौरान जयप्रकाश नारायण द्वारा शुरू किए गए तत्कालीन संपूर्ण क्रांति आंदोलन का हिस्सा बने। उन्होंने 1975 में छात्र राजनीति में प्रवेश किया। श्री नड्डा जी पटना विश्वविद्यालय में पढ़ाई के दौरान अभाविप के सम्पर्क में आए और सक्रिय छात्र राजनीति का हिस्सा बने।

उन्हें 1977 में अभाविप के उम्मीदवार के रूप में पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के सचिव के रूप में चुना गया था। इसके साथ ही, वह अभाविप की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल होते रहे और कई संगठनात्मक पदों पर रहे। पटना विश्वविद्यालय से स्नातक करने के बाद उन्होंने हिमाचल विश्वविद्यालय से अपनी विधि स्नातक एलएलबी की डिग्री हासिल की। 1987 में उन्होंने राष्ट्रीय संघर्ष मोर्चा का गठन करके सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के खिलाफ सरकार विरोधी अभियान का आयोजन किया, जिसके लिए उन्हें 45 दिनों के लिए नजरबंद किया गया।

वर्ष 1989 में आयोजित लोकसभा चुनावों के दौरान उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा के चुनाव प्रभारी के रूप में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी, वह जब सिर्फ 29 साल के थे। इसके सिर्फ तीन साल बाद 1991 में उन्हें 31 साल की छोटी उम्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया। श्री नड्डा ने अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश से तीन बार विधानसभा चुनाव लड़ा और तीनों बार विजयी रहे। वह हिमाचल प्रदेश में कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य सचिव की जिम्मेदारियों को भी निभाया। उन्होंने पहली मोदी सरकार में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का पद संभाला था।

राजनीतिक जीवन

- **1993-98, 1998-2003 और 2007-2012:** सदस्य, हिमाचल प्रदेश विधान सभा (तीन बार)।
- **1994-98:** सदन के नेता, भारतीय जनता पार्टी, हिमाचल प्रदेश विधान सभा।
- **1998-2003:** कैबिनेट मंत्री, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण और संसदीय कार्य, हिमाचल प्रदेश सरकार।
- **2008-2010:** कैबिनेट मंत्री, वन, पर्यावरण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और संसदीय कार्य, हिमाचल प्रदेश सरकार।
- **मई 2010-नवंबर 2014:** भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव।
- **अप्रैल 2012:** राज्यसभा के लिए चुने गए।
- **सितंबर 2014:** सदस्य, भाजपा संसदीय बोर्ड।
- **सितंबर 2014- नवंबर 2014:** अध्यक्ष, मानव संसाधन विकास समिति।
- **09 नवंबर 2014-30 मई 2019:** केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री।
- **अप्रैल 2018:** राज्यसभा के लिए फिर से निर्वाचित (दूसरा कार्यकाल)
- **17 जून, 2019-20 जनवरी, 2020:** भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त हुए।
- **20 जनवरी, 2020:** भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्विरोध निर्वाचित हुए। ■

नए भाजपा अध्यक्ष का चुनाव

भाजपा राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी श्री राधामोहन सिंह के समक्ष भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए श्री जगत प्रकाश नड्डा का नाम प्रस्तावित करते हुए निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह एवं पार्टी के वरिष्ठ नेतागण

भाजपा राष्ट्रीय चुनाव प्रक्रिया के दौरान भाजपा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित शाह, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वश्री राजनाथ सिंह एवं नितिन गडकरी, साथ में पार्टी के वरिष्ठ नेतागण

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए श्री जगत प्रकाश नड्डा का नाम प्रस्तावित करते हुए निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह एवं पार्टी के वरिष्ठ नेतागण

श्री जगत प्रकाश नड्डा को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने का प्रमाण-पत्र सौंपते भाजपा राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री राधामोहन सिंह

पूरे देश में कमल को पहुंचाएंगे: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने बाद श्री जगत प्रकाश नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में सैकड़ों कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

श्री नड्डा ने अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने के लिए संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो प्रेम, विश्वास, सहयोग आपने मुझ पर किया है, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। विश्व की सबसे बड़ी पार्टी के काम को संभालने और उसे आगे ले जाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और पार्टी संगठन ने जो मुझ पर विश्वास किया है उसके लिए मैं सभी को धन्यवाद देता हूं।

श्री नड्डा ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का उनके प्रति विश्वास प्रकट करने के लिए आभार व्यक्त किया। साथ ही, उन्होंने श्री लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, श्री अमित शाह, श्री राजनाथ सिंह और श्री नितिन गडकरी को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हम पार्टी को आगे ले जाने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

उन्होंने कहा कि किसी राजनीतिक परिवार से नहीं होने के बावजूद उनका पार्टी अध्यक्ष बनना सिर्फ भाजपा में संभव हैं। उन्होंने कहा कि जिसको शीर्ष नेतृत्व का इतना आशीर्वाद मिला हो, उसे अगर कोई जिम्मेदारी मिलती है तो आप सबका साथ लेकर मैं पूरी ताकत के साथ आगे बढ़ूंगा।

श्री नड्डा ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने पार्टी की रीति-नीति के बारे में चर्चा करते हुए बताया कि हम कैसे दूसरी पार्टियों से अलग हैं। हम सिर्फ नीतियों में और नीतियों की बारीकियों में ही अलग नहीं हैं, बल्कि उनके नतीजे भी अलग हैं। श्री नड्डा ने कहा मेरे जैसा कार्यकर्ता जो कि एक गांव से आता है उसे पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाना यही भाजपा की विशेषता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि देश में सबसे मजबूत पार्टी, राज्यों में शासन करने वाली पार्टी, सबसे बड़ी सांसदों और विधायकों की सदस्य संख्या हमारी है। हम रुकने वाले नहीं हैं, अभी भी कुछ प्रदेश बच गए हैं, वहां भी हमारा प्रयास पूरा है। आने वाले समय में पूरे भारत में भाजपा के कमल को हम पहुंचाएंगे। ■

नड्डा जी का नेतृत्व हमें नई प्रेरणा और ऊर्जा देगा: नरेन्द्र मोदी

भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री जगत प्रकाश नड्डा के लिए पार्टी मुख्यालय में आयोजित स्वागत कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई दी।

श्री मोदी ने कहा कि हिमाचल के लोगों को लगता होगा कि हिमाचल का एक बेटा आज भाजपा का अध्यक्ष बना है लेकिन नड्डाजी पर जितना हक हिमाचल का है, उतना ही बिहार का भी है। नड्डाजी की पढ़ाई-लिखाई बिहार हुई है। उन पर बिहार ज्यादा गर्व कर रहा होगा। मेरे जीवन की सबसे ऊर्जा भरे दिन हिमाचल के ही थे।

उन्होंने भाजपा की विशेषता बताते हुए कहा कि इतने कम समय में भाजपा ने विस्तार भी किया है, जनाकांक्षाओं से खुद को जोड़ा है और समयानुकूल परिवर्तन भी किया है। एक जीती जागती चेतन वृंद पार्टी, सिर्फ संख्या बल पर बनी हुई सबसे बड़ी पार्टी नहीं बल्कि जन-सामान्य के दिलों में जगह बनाकर बनी हुई पार्टी है। भाजपा की दूसरी विशेषता रही है कि पार्टी चले, लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार को मजबूती मिलती रहे। भाजपा की विशेषता रही है कि हमें एक सुचारू रूप से चलने वाली व्यवस्था से जुड़ने वाले दल की तरह आगे बढ़ना चाहिए।

श्री मोदी ने कहा कि हम लंबे समय तक मां भारती की सेवा करने के लिए आए लोग हैं। हमें सदियों तक ये काम करना है और जिन आशा-आकांक्षाओं के कारण इस दल का जन्म हुआ है, उसे पूरे किए बिना चैन से बैठना नहीं है।

उन्होंने नए भाजपा अध्यक्ष की प्रशंसा करते हुए कहा कि एक कार्यकर्ता, लगातार जो भी उसकी शक्ति-सामर्थ है, उसे लेकर चलता रहे, जब जो जिम्मेदारी मिले उसे निभाता रहे और अपना उत्तम से उत्तम देने का प्रयास करता रहे, ये नड्डाजी में हमने भली-भांति देखा है। उसी विश्वास से हमें आगे बढ़ना है, नड्डा जी का नेतृत्व हमें नई प्रेरणा और ऊर्जा देगा और हम सब कार्यकर्ताओं का काम है कि नड्डा जी यशस्वी हो। नड्डा जी जो भी चाहे, हम उसे पूरा करके दें। ■

नड्डाजी के नेतृत्व में भाजपा निरंतर सशक्त और अधिक व्यापक होगी: अमित शाह

भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि सामान्य कार्यकर्ता रहे श्री जगत प्रकाश नड्डा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। उन्होंने कहा कि श्री नड्डा पार्टी अनछुए लक्ष्यों तक पहुंचाएंगे। प्रधानमंत्री मोदीजी के नेतृत्व में पार्टी को सपने पूरे हुए हैं। श्री शाह ने कहा कि भाजपा वंशवाद के आधार पर नहीं चलती। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक तरीके से अध्यक्ष चुनती है। भाजपा की नीति परिवारवाद से नहीं चलती। श्री शाह ने कहा कि भाजपा ने अपनी परंपरा का निर्वहन किया। 60 करोड़ गरीबों का जीनवस्तर ऊंचा उठा। संगठन को अभी पूर्णता तक पहुंचाना है।

श्री शाह ने कहा कि देश में कई अन्य पार्टियां अपने लोकतांत्रिक स्वरूप को खो चुकी हैं। इनमें अपने परिजनों को ही अध्यक्ष, मुख्यमंत्री बनाने की होड़ मची रहती है। केवल भाजपा ही ऐसी पार्टी है जो परिवारवाद पर नहीं चलती। आज भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के गौरवशाली पद की परंपरा में नड्डा जी 11वें अध्यक्ष बनकर आने वाले दिनों में हमारा मार्गदर्शन करने वाले हैं। मैं नड्डा जी को हृदय से देश के करोड़ों कार्यकर्ताओं की ओर से ढेरों बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा कि साढ़े पांच साल तक इस पार्टी के अध्यक्ष के रूप में मुझे भी पार्टी की सेवा करने का अवसर मिला है। इन पांच वर्षों में पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी, देशभर में हमारा संगठनात्मक विस्तार हुआ, कई राज्यों में हमने चुनावी सफलता प्राप्त की।

श्री शाह ने ट्वीट कर कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी के मार्गदर्शन और नड्डाजी के नेतृत्व में भाजपा निरंतर सशक्त व और अधिक व्यापक होगी। नड्डाजी के संगठन कौशल व अनुभव का लाभ पार्टी को मिलेगा और पार्टी नये कीर्तिमान स्थापित करेगी।

उन्होंने कहा कि इनके नेतृत्व में हम सभी भाजपा कार्यकर्ता चरैवेति-चरैवेति के मंत्र के साथ निरंतर संगठन पथ पर अग्रसर रहेंगे। श्री अमित शाह ने कहा कि अनेक महानुभावों व महापुरुषों द्वारा बनाए व सींचे इस महान संगठन में 5 वर्षों तक मुझे अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का सौभाग्य मिला इसके लिए मैं अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं।

उन्होंने बताया कि किस तरह मोदी सरकार ने धारा 370, अयोध्या, तीन तलाक से लेकर सीएए तक पार्टी के वायदे को पूरा करने का काम किया है। पार्टी और सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए श्री अमित शाह ने भविष्य की चुनौतियों को भी सामने रखी। उन्होंने कहा कि बहुत सारे ऐसे क्षेत्र छूट गए हैं, जहां हमें अभी चुनावी सफलता प्राप्त करना बाकी है। इसके साथ ही अभी भी संगठन को बूथ तक पहुंचाने का काम बाकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नड्डाजी के कार्यकाल में भी पार्टी इन अधूरे काम को पूरा करने में सफल होगी। ■

श्री जगत प्रकाश नड्डा के भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर

हार्दिक बधाइयां

मुझे विश्वास है कि पार्टी उनके नेतृत्व में नया गौरव और सफलता हासिल करेगी। अपने सांगठनिक अनुभव के लिए पहचाने जाने वाले नड्डा जी हमेशा से पार्टी के लिए मूल्यवान रहे हैं। उनके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं।

राजनाथ सिंह, केंद्रीय रक्षा मंत्री

भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर श्री जगत प्रकाश नड्डा जी का स्वागत, अभिनंदन। कुशल संगठनकर्ता के नाते वह विश्व के सबसे बड़े दल को और शक्तिशाली बनायेंगे। नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा नई ऊंचाइयां हासिल करे, यही शुभकामना है।

नितिन गडकरी, केंद्रीय मंत्री

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित होने पर जेपी नड्डा जी को बधाई। चेहरे बदलते हैं, लेकिन सामान्य आदमी के उच्च शिखर पर पहुंचने की परंपरा जारी है। पार्टी ने एक योग्य एवं सक्षम व्यक्ति चुनकर उन पर भरोसा किया है।

बी एल संतोष, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन)

श्री जगत प्रकाश नड्डा जी को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन और आपके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी का यह विशाल वटवृक्ष और भी गहनता प्राप्त कर नव शाखायें अंकुरित होगा।

थावरचंद गहलोत, केंद्रीय मंत्री

नड्डाजी एक 'प्रेरक' कार्यकर्ता रहे हैं। संगठन के एक शानदार नेता हैं और मोदी सरकार में वह एक सफल स्वास्थ्य मंत्री भी रहे। नड्डाजी के पास पार्टी नेता और प्रशासक के तौर पर बेहतरीन अनुभव है।

रविशंकर प्रसाद, केंद्रीय मंत्री

नड्डाजी के पास विशाल संगठनात्मक और प्रशासनिक अनुभव है और उम्मीद है कि पार्टी उनके नेतृत्व में और मजबूत होगी।

नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के लिए श्री जेपी नड्डा को हार्दिक बधाई। मैं आपके सफल कार्यकाल की कामना करता हूं और मुझे विश्वास है कि आप पार्टी को और अधिक ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

बी. एस. येदियुरप्पा, मुख्यमंत्री, कर्नाटक

कुशल संगठन कार्यकर्ता एवं ओजस्वी वक्ता श्री जगत प्रकाश नड्डा को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन व आपके नेतृत्व में भाजपा अपने सर्वसमावेशी दर्शन को वृहत्तर स्वरूप में मूर्तरूप प्रदान करेगी।

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

प्रखर वक्ता, कुशल नेतृत्व के धनी श्री जेपी नड्डा जी को दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपका राजनीतिक अनुभव, संगठन को और अधिक सुदृढ़ करने के साथ ही प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रेरित करेगा।

मनोहर लाल, मुख्यमंत्री, हरियाणा

भाजपा के अध्यक्ष चुने जाने पर श्री जेपी नड्डाजी को बधाई। हमारी पार्टी अधिक समर्पण के साथ लोगों की सेवा करने और विकास की नई ऊंचाइयों को छूने की अपनी यात्रा जारी रखेगी।

सर्बदानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री, असम

श्री जगत प्रकाश नड्डा जी को भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

त्रिवेन्द्र सिंह रावत, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

देवभूमि हिमाचल से संबंध रखने वाले भाई जगत प्रकाश नड्डा जी को विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं। आपके कुशल नेतृत्व में भाजपा नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।

जयराम ठाकुर, मुख्यमंत्री, हिमाचल प्रदेश

नड्डाजी ने ग्रहण किया पदभार

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 20 जनवरी 2020 को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर औपचारिक रूप से दायित्व ग्रहण किया।

श्री नड्डा को भाजपा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने पहले फूलों का गुलदस्ता भेंट किया और उसके बाद उनके गले पर अंगवस्त्र डालकर स्वागत किया। तत्पश्चात श्री शाह ने अपने हाथों से श्री नड्डा का मुंह मीठा कराते हुए उन्हें लड्डू खिलाया और उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी पर बिठाया।

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते नवनिर्वाचित भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में श्री जगत प्रकाश नड्डा को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं का एक भारी सैलाब

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री मोदीजी से मिले जेपी नड्डा, मांगा आशीर्वाद

श्री जगत प्रकाश नड्डा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद मांगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी से मिलने पर श्री नड्डा ने कहा कि उनके सक्षम नेतृत्व में, देश नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। उनके मूल्यवान मार्गदर्शन के साथ, मैं हर घर में पार्टी और अपनी विचारधारा को ले जाने का लक्ष्य रखूंगा।

भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री लालकृष्ण आडवाणी से आशीर्वाद प्राप्त करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष

अटल बिहारी वाजपेयी
1980 से 1986

लाल कृष्ण आडवाणी
1986 से 1990, 1993 से 1998 और 2004 से 2005

मुरली मनोहर जोशी
1991 से 1993

कुशाभाऊ ठाकरे
1998 से 2000

बंगारू लक्ष्मण
2000 से 2001

के. जन कृष्णमूर्ति
2001 से 2002

एम. वेंकैया नायडू
2002 से 2004

राजनाथ सिंह
2005 से 2009 और 2013 से 2014

नितिन गडकरी
2010 से 2013

अमित शाह
2014 से 2020

जगत प्रकाश नड्डा
20 जनवरी 2020, पदभार संभाला

समाचार–पत्रों की सुर्खियां

विभिन्न राज्यों के नव निर्वाचित प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

भारतीय जनता पार्टी ने 17 जनवरी, 2020 को औपचारिक रूप से देश के कई राज्यों में भाजपा के प्रदेश अध्यक्षों के नामों की घोषणा की।

कुछ राज्यों में, वर्तमान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को फिर से चुना गया है। पश्चिम बंगाल में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री दिलीप घोष को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध चुना गया। साथ ही, जम्मू और कश्मीर में श्री रवींद्र रैना को एक बार फिर प्रदेशाध्यक्ष चुना गया।

गौरतलब है कि भाजपा के संविधान के अनुसार हर तीन साल में राज्यों में पार्टी का अध्यक्ष चुना जाना चाहिए।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने अपने-अपने राज्यों में कार्यभार संभाल लिया है, जिनकी सूची निम्न हैः

श्री स्वतंत्र देव सिंह
भाजपा अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश

श्री दिलीप घोष
भाजपा अध्यक्ष, पश्चिम बंगाल

श्री रंजीत कुमार दास
भाजपा अध्यक्ष, असम

श्री नलिन कुमार कटील
भाजपा अध्यक्ष, कर्नाटक

श्री अश्वनी शर्मा
भाजपा अध्यक्ष, पंजाब

डॉ. राजीव बिंदल
भाजपा अध्यक्ष, हिमाचल प्रदेश

श्री समीर मोहन्ती
भाजपा अध्यक्ष, ओडिशा

प्रो. (डॉ.) माणिक साह
भाजपा अध्यक्ष, त्रिपुरा

श्री बंसीधर भगत
भाजपा अध्यक्ष, उत्तराखंड

श्री वी. सामीनाथन
भाजपा अध्यक्ष, पुडुचेरी

श्री रवीन्द्र रैना
भाजपा अध्यक्ष, जम्मू एवं कश्मीर

श्री अजॉय बैरागी
भाजपा अध्यक्ष
अंडमान और निकोबार

श्री सदानंद तानावाड़े
भाजपा अध्यक्ष, गोवा

श्री अरुण सूद
भाजपा अध्यक्ष, चंडीगढ़

श्री टेमजेन इमना अलोंग
भाजपा अध्यक्ष, नगालैंड

श्री दीपकभाई टंडेल
भाजपा अध्यक्ष
दादरा नगर हवेली और दमन दीव

श्री एर्नेस्ट मावरी
भाजपा अध्यक्ष, मेघालय

श्री बियूराम वाघे
भाजपा अध्यक्ष, अरुणाचल प्रदेश

त्रिपुरा में ब्रू-रियांग समुदाय को बसाने पर ऐतिहासिक निर्णय

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में 16 जनवरी को नई दिल्ली में भारत सरकार, त्रिपुरा और मिज़ोरम सरकार और ब्रू-रियांग प्रतिनिधियों के बीच एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस नए समझौते से करीब 23 वर्षों से चल रही इस बड़ी मानव समस्या का स्थायी समाधान होगा तथा करीब 34 हजार व्यक्तियों को त्रिपुरा में बसाया जाएगा। इस अवसर पर श्री जोरामथंगा, मुख्यमंत्री (मिज़ोरम), श्री बिपलब कुमार देब, मुख्यमंत्री (त्रिपुरा), श्री हेमन्त बिस्व सरमा, अध्यक्ष, नेडा, श्री प्रद्युत किशोर देबबर्मा, अध्यक्ष, टीआईपीआरए एवं ब्रू प्रतिनिधियों के साथ वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

यह ऐतिहासिक समझौता उत्तर-पूर्व की प्रगति और क्षेत्र के लोगों के सशक्तिकरण के लिए प्रधान मंत्री श्री मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। कार्यभार संभालने के बाद श्री मोदी ने कई नीतिगत कदम उठाए हैं, जिससे इस क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, कनेक्टिविटी, आर्थिक विकास, पर्यटन और सामाजिक विकास में सुधार हुआ है।

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार ने लंबे समय से हजारों की संख्या में प्रताड़ित व्यक्तियों को पुनः बसाने का स्थायी समाधान निकाल लिया है। इस समझौते के अंतर्गत ब्रू-रियांग को पुनर्स्थारपित करने का यह मुद्दा त्रिपुरा और मिज़ोरम राज्य सरकारों व ब्रू-रियांग प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श कर एक नई व्यवस्था बनाने का फैसला किया, जिसके अंतर्गत वे सभी ब्रू-रियांग परिवार जो त्रिपुरा में ही बसना चाहते हैं और उनके लिए त्रिपुरा में ही व्यवस्था करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि इन सभी लोगों को राज्य के नागरिकों के सभी अधिकार दिये जाएंगे और वे केंद्र व राज्य सरकारों की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकेंगे। गृह मंत्री ने कहा की इस नए समझौते के बाद ये ब्रू-रियांग परिवार अपना सर्वांगीण विकास करने में समर्थ होंगे। इस नए समझौते को करने के लिए भारत सरकार को त्रिपुरा व मिज़ोरम सरकारों, ब्रू-रियांग प्रतिनिधियों का पूरा समर्थन मिला है।

श्री शाह ने बताया की इस नई व्यवस्था के अंतर्गत विस्थापित परिवारों को 40x30 फुट का आवासीय प्लॉट दिया जाएगा और उनकी आर्थिक सहायता के लिए प्रत्येक परिवार को, पहले समझौते के अनुसार 4 लाख रुपये फ़िक्स्ड डिपॉज़िट में, दो साल तक 5 हजार रुपये प्रतिमाह नकद सहायता, दो साल तक फ्री राशन व मकान बनाने के लिए 1.5 लाख रुपये दिये जाएंगे। इस नई व्यवस्था के लिए त्रिपुरा सरकार भूमि की व्यवस्था करेगी। आज भारत सरकार, त्रिपुरा और मिज़ोरम सरकार और ब्रू-रियांग प्रतिनिधियों के बीच यह नया समझौता हुआ है, जिसमें करीब 600 करोड़ रुपये की सहायता केंद्र द्वारा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हाल ही में उग्रवादी संगठन NLFT(SD) के 88 हथियारबंध उग्रवादियों द्वारा आत्मसमर्पण किया गया और उन्हें मुख्यधारा में शामिल किया गया। त्रिपुरा राज्य के लिए ये एक महत्वपूर्ण कदम था, जिससे राज्य की शांति व्यवस्था मे महत्वपूर्ण सुधार हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर पूर्व कि बड़ी समस्याओं को तीव्र गति से हल किया जा रहा है और ब्रू-रियांग समझौता त्रिपुरा के लिए उस दिशा में एक दूसरा महत्वपूर्ण कदम है। गृह मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही सम्पूर्ण उत्तर पूर्व में पूर्ण शांति बहाल कर इस क्षेत्र का तीव्र विकास किया जाएगा।

पृष्ठभूमि

वर्ष 1997 में जातीय तनाव के कारण करीब 5,000 ब्रू-रियांग परिवारों ने, जिसमें करीब 30,000 व्यक्ति थे, मिज़ोरम से त्रिपुरा में शरण ली जिनको वहां कंचनपुर, उत्तरी त्रिपुरा में अस्थायी शिविरों में रखा गया।

वर्ष 2010 से भारत सरकार लगातार प्रयास करती रही है कि इन ब्रू-रियांग परिवारों को स्थायी रूप से बसाया जाए। वर्ष 2014 तक विभिन्न बैचों में 1622 ब्रू-रियांग परिवार मिज़ोरम वापस गए। ब्रू-रियांग विस्थापित परिवारों की देखभाल व पुनर्स्थापन के लिए भारत सरकार त्रिपुरा व मिज़ोरम सरकारों की सहायता करती रही है।

3 जुलाई, 2018 को भारत सरकार, मिज़ोरम व त्रिपुरा सरकार व ब्रू-रियांग प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता हुआ था, जिसके उपरान्त ब्रू-रियांग परिवारों को दी जाने वाली सहायता में काफी बढ़ोतरी की गई। समझौते के उपरान्त वर्ष 2018-19 में 328 परिवार, जिसमें 1369 व्यक्ति थे, त्रिपुरा से मिज़ोरम इस नए समझौते के तहत वापस गए। अधिकांश ब्रू-रियांग परिवारों की यह मांग थी कि उन्हें सुरक्षा की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए त्रिपुरा में ही बसा दिया जाए। ■

प्रधानमंत्री मोदी, नेपाली प्रधानमंत्री ने जोगबनी-विराटनगर निगरानी चौकी का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और उनके नेपाली समकक्ष श्री के. पी. शर्मा ओली ने 21 जनवरी को सीमा के निकट जोगबनी-विराटनगर में दूसरी एकीकृत निगरानी चौकी का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। गौरतलब है कि जोगबनी-बिराटनगर दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापार केन्द्र है। यह चेकपोस्ट आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

जोगबनी-बिराटनगर में दूसरा एकीकृत चेकपोस्ट भारत की सहायता से बनाया गया था, जिसके जरिए भारत-नेपाल सीमा पर लोगों के आवागमन और कारोबार को सुविधा मिलती है। दोनों प्रधानमंत्रियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इसमें शिरकत की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'नेपाल के समग्र विकास में भारत एक भरोसेमंद साथी के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है।' उन्होंने कहा, 'पड़ोसी प्रथम मेरी सरकार की प्रमुख नीति है और सीमा-पार संपर्कता में सुधार करना उसका एक अहम पक्ष है।'

श्री मोदी ने कहा, 'भारत-नेपाल मद्देनजर बेहतर संपर्कता का मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि हमारे आपसी संबंध सिर्फ पड़ोसियों के नहीं, बल्कि इतिहास और भूगोल ने हमें संस्कृति, प्रकृति, परिवार, भाषा, विकास और कई अन्य सूत्रों के जरिए एक-दूसरे से जोड़ा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'मेरी सरकार सभी मित्र राष्ट्रों के साथ बेहतर यातायात सुविधाओं के विकास और व्यापार, संस्कृति, शिक्षा जैसे क्षेत्रों में संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत नेपाल में सड़क, रेल और संचार जैसी सीमा-पार संपर्क परियोजनाओं के लिए काम कर रहा है।

वर्ष 2015 में नेपाल में आए भूकम्प का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, 'भारत ने राहत और बचाव अभियान में सबसे पहले मदद पहुंचाने वाले देश की भूमिका निभाई थी। नेपाल के प्रधानमंत्री श्री के.पी. शर्मा ओली ने भारत के प्रयासों के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। ■

भारत के नवीनतम संचार उपग्रह 'जीसैट-30' का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण

भारत के नवीनतम संचार उपग्रह 'जीसैट-30' का 17 जनवरी को फ्रेंच गुआना के स्पेसपोर्ट से सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहत भारत के जीसैट-30 और यूटेलसैट के यूटेलसैट कॉनेक्ट को फ्रेंच गुआना के कूरौ लॉन्च केंद्र से सुबह 2:35 बजे प्रक्षेपण वाहन एरियन 5 वीए- 251 से छोड़ा गया। 38 मिनट 25 सेकंड की उड़ान के बाद जीसैट-30 पांचवें चरण में एरियन 5 से अलग होकर अण्डाकार जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट में प्रवेश कर गया।

3357 किलोग्राम भार का जीसैट-30 कुछ इन-ऑर्बिट उपग्रहों में परिचालन सेवाओं को निरंतरता प्रदान करेगा। जीसैट-30 इसरो की पहले की इन्सैट/जीसैट उपग्रह शृंखला की अगली कड़ी है और यह इनसैट-4ए को कक्षा में प्रतिस्थापित करेगा।

इसरो के अध्यक्ष डॉ. के सिवन ने कहा कि जीसैट-30 में लचीले आवृत्ति खंड और लचीले कवरेज प्रदान करने का एक अनूठा विन्यास है। उन्होंने बताया कि यह उपग्रह केयू-बैंड के जरिए भारत एवं इसके द्वीपों और सी-बैंड के जरिए खाड़ी देशों, कई एशियाई देशों और ऑस्ट्रेलिया में संचार सेवाएं प्रदान करेगा।

डॉ. सिवन ने यह भी बताया कि जीसैट-30 डीटीएच टेलीविज़न सेवा, एटीएम, स्टॉक-एक्सचेंज, टेलीविज़न अपलिंकिंग एवं टेलीपोर्ट सर्विसेज, डिजिटल सैटेलाइट न्यूज़ गैदरिंग (डीएसएनजी) और ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों के लिए वीसैट से कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। इस उपग्रह का उपयोग उभरते दूरसंचार अनुप्रयोगों के लिए बड़ा डेटा ट्रांसफर करने में भी किया जाएगा।

उपग्रह को भूस्थिर कक्षा (भूमध्य रेखा से 36,000 किमी. उपर) में स्थापित करने के लिए आने वाले दिनों में इसके ऑनबोर्ड प्रोपल्शन सिस्टम का उपयोग करते इसे ऊपर उठाने की कोशिश की जाएगी। कक्षा उठाने के अंतिम चरण के दौरान दो सौर सरणियों और जीसैट-30 के एंटीना रिफ्लेक्टर तैनात किए जाएंगे। इसके बाद उपग्रह को अपने अंतिम कक्षीय विन्यास में रखा जाएगा। सभी इन-ऑर्बिट परीक्षणों के सफल समापन के बाद यह उपग्रह चालू हो जाएगा। ■

रक्षा मंत्री ने के-9 वज्र तोप के 51वें यूनिट को दिखाई हरी झंडी

रक्षा में 'मेक इन इंडिया' का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है के 9 वज्र–टी गन

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने गुजरात में हजीरा स्थित लार्सन एंड टुब्रो (एल एंड टी) के बख्तरबंद प्रणाली परिसर से 51वीं के9 वज्र-टी गन को रवाना किया। इस अवसर पर एकत्र जनसमूह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने रक्षा निर्माण में निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने भारत को हथियार निर्माण का केन्द्र और वास्तविक रक्षा निर्यातक बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

रक्षा मंत्री ने कहा, 'हमारी सरकार नये विचारों का स्वागत करती है और रक्षा क्षेत्र में ऊर्जा, उद्यमिता की भावना तथा निजी उद्योग के उद्यम का इस्तेमाल करने के लिए दृढ़ संकल्प है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार किसी भी प्रकार की अड़चनों को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी और स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मिलकर कार्य करेगी।'

श्री राजनाथ सिंह ने 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत सरकार द्वारा शुरू किये गए विभिन्न व्यापक सुधारों की जानकारी दी, ताकि 2025 तक 26 बिलियन अमेरिकी डॉलर के रक्षा उद्योग के लक्ष्य को हासिल किया जा सके और 2 से 3 मिलियन लोगों को रोजगार प्रदान किया जा सके।

उन्होंने कहा कि हम एक ऐसा इको-सिस्टम बनाना चाहते हैं, जो सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों को मिलकर कार्य करने का मंच प्रदान करे और उनकी ताकत तथा अनुभव के जरिए राष्ट्र निर्माण में योगदान लिया जा सके।

रक्षा मंत्री ने कुछ सुधारों का जिक्र किया, जिनमें उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में रक्षा गलियारों की स्थापना; औद्योगिक लाइसेंस प्रक्रिया का सरलीकरण, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा में बढ़ोतरी, रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कदम; रक्षा समायोजन नीति को सरल बनाना; रक्षा निवेश प्रकोष्ठ की स्थापना; निजी क्षेत्र को सरकार के स्वामित्व वाली जांच और परीक्षण सुविधा प्रदान करना तथा स्टार्ट अप के लिए योजना और नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए लघु और मध्यम उद्यम शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि रक्षा उत्पादन नीति में रणनीतिक साझेदारी मॉडल शुरू किया गया है, जिसके अंतर्गत निजी क्षेत्र लड़ाकू विमानों, हेलिकॉप्टरों, पनडुब्बियों और बख्तरबंद वाहनों का निर्माण कर सकेंगे और विश्व में असाधारण शक्ति के रूप में उभरेंगे। श्री राजनाथ सिंह ने एसपी मॉडल के अंतर्गत एलएंडटी की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उनकी सराहना की।

रक्षा मंत्री ने बख्तरबंद प्रणाली परिसर की यात्रा पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि यह संयंत्र नये भारत की नई सोच का मजबूत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि रक्षा में आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण के लक्ष्य की कल्पना 'मेक इन इंडिया' के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की, जो अब आकार लेने लगी है। श्री राजनाथ सिंह ने के 9 वज्र-टी गन को रक्षा में मेक इन इंडिया का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बताया।

उन्होंने कहा, 'मुझे बताया गया है कि के 9 वज्र का 75 प्रतिशत से अधिक का निर्माण भारत में हुआ है। इस परिसर के जरिए 5,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार और 12,500 से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिला है, यह गर्व का विषय है।' रक्षा मंत्री ने निर्धारित समय से पहले के 9 वज्र के प्राप्त 100 आदेशों में से 51 सौंप देने के लिए एलएंडटी को बधाई दी।

एलएंडटी डिफेंस वर्तमान में के 9 वज्र-टी 'ट्रैक्ड, सेल्फ-प्रोपेल्ड होवित्जर गन्स प्रोग्राम को अमल में ला रहा है। इसका ठेका वैश्विक प्रतिस्पर्धा निविदा के जरिए रक्षा मंत्रालय द्वारा कंपनी को दिया गया है। ■

आत्मिक सुख की आवश्यकता

दीनदयाल उपाध्याय

व्यक्ति को केवल शारीरिक सुख ही नहीं, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक सुख की भी लालसा रहती है। और इस प्रकार सभी सुखों के साथ-साथ समन्वयात्मक ढंग से वह यदि प्राप्त कर सका, तभी वह अपने जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव कर सकता है, अन्यथा एक प्रकार का सुख उसे यदि मिला और बाक़ी के सुखों से वह वंचित रहा तो पहले प्रकार का सुख भी उसको दुःखकारक प्रतीत होता है। उस सुख का भी मूल्य समाप्त हो जाता है। अतएव हमारे सुख, हमारे जीवन के विविध पहलुओं को समान रूप से बढ़ाने वाले, समान रूप से आनंद देनेवाले होने चाहिए।

कुछ व्यक्तियों की अपनी भिन्न-भिन्न प्रवृत्तियां हैं, उनके भिन्न-भिन्न अंग हैं, वैसे यदि देखें तो वह किसी भी प्रकार का सुख प्राप्त नहीं कर सकता। सुख को प्राप्त करने के लिए दूसरों पर भी निर्भर रहना पड़ता है। हम बिल्कल भौतिक दष्टि से ही देखें- भोजन का प्रश्न आता है। अन्य भौतिक आवश्यकताएं हैं। तो पता चलता है कि अकेला व्यक्ति सभी भौतिक आवश्यकताएं पूरी नहीं कर सकता। स्वयं अन्न पैदा कर ले। स्वयं उसका आटा बनाए, स्वयं उसमें से खाना तैयार कर ले, ईंधन भी स्वयं ही इकट्ठा कर ले, उसके लिए जो बरतन आदि चाहिए, वह भी जुटा ले, तो यह वास्तविक स्थिति नहीं है। रॉबिन्सन क्रूसो' का जो कुछ भी स्थान हम सबने पढ़ा होगा, उसने अपने ही प्रयत्न करके सब चीजें तैयार की। वह एक काल्पनिक जगत् की बात है और वास्तव में उस व्यक्ति के प्रयत्न हैं कि जिस व्यक्ति ने समाज में अनेक वर्षों तक जीवन व्यतीत करके बहुत सी चीजें सीख ली थीं। अन्न कैसे उगाया जाता है, यह उसे मालूम था। मैदान कैसे बनाया जाता है, यह भी उसने देखा था। नाव कैसे बनाई जाती है, नाव कैसे तैरती है, यह वह अच्छी तरह से जानता था। सबका सब स्वयं उसने अपनी बुद्धि लगाकर आविष्कार किया। ऐसी तो कोई बात नहीं कि वह समाज से दूर हट गया होगा। उसने सब कुछ विचार स्वयं ही कर लिया होगा, ऐसा नहीं है।

व्यक्ति को केवल शारीरिक सुख ही नहीं, मानसिक, बौद्धिक और आत्मिक सुख की भी लालसा रहती है। और इस प्रकार सभी सुखों के साथ-साथ समन्वयात्मक ढंग से वह यदि प्राप्त कर सका, तभी वह अपने जीवन में वास्तविक सुख का अनुभव कर सकता है

वास्तविक जीवन में तो हम यही देखते हैं कि व्यक्ति दूसरों के ऊपर बराबर निर्भर रहता है। हम दूसरों पर निर्भर रहते हैं और जो कुछ दिखाई देता है वह इतना ही है कि एक व्यक्ति दूसरे के ऊपर निर्भर है। किसान जुलाहे के ऊपर निर्भर रहता है। वह उसे खाने के लिए अन्न देता है। डॉक्टर और शिक्षक एक-दूसरे पर निर्भर रहते हैं। डॉक्टर के बच्चे को शिक्षक पढ़ाता है। शिक्षक के बच्चे को डॉक्टर बीमार पड़ने पर दवाई देता है। हम चारों ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी एक-दूसरे के ऊपर निर्भर हैं। एक-दूसरे के द्वारा हम अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। बिना एक-दूसरे के कोई एक क़दम भी आगे नहीं बढ़ा सकता। कोई ऐसा सोचे कि मैं समाज से बिल्कुल अलग हटकर अपना ही विचार करके चलूंगा तो संभवतः वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर सकेगा। उसे संपूर्ण का विचार करना ही पड़ेगा। जब विचार करेगा तो प्रत्येक चीज़ में ढंग से अच्छी तरह से विचार करना ही पड़ेगा और यह विचार करना आना चाहिए।

जब हम आगे देखते हैं, मानसिक सुख का विचार करते हैं तो पता चलता है कि मानसिक सुख भी केवल हमें दूसरों से ही प्राप्त होता है। दूसरों को सुखी देखकर हमें कुछ सुख का अनुभव होता है। यदि हम दूसरों को दुःखी देखते हैं तो हमें दुःख का अनुभव होता है। हंसते हुए देखकर हमें भी हंसी आ जाती है। ऐसा कोई व्यक्ति होगा, जो बहुत बेरहम होगा। उसे किसी को रोते देखकर रोना नहीं आता और दूसरे को हंसता हुआ देखकर उसे हंसी नहीं आती। जबकि बहुत बार तो लोग दूसरे को देखकर रोना शुरू कर देते हैं। दूसरे के अंदर भय का भाव देखकर अपने अंदर भी भय भाव पैदा हो जाता है। दूसरों को पराक्रम करते हुए देखा तो लगता है, अपने को भी पराक्रम करना चाहिए। अर्थात् ये भावनाएं सभी के अंदर रहती हैं।

कई बार ऐसा होता है कि हम किसी का विचार नहीं कर सकते। यहां तक कि हमारे पास सब प्रकार के सुख रहें। हमारे पास बहुत अच्छा भोजन है। हम भोजन करने के लिए बैठे हैं। बड़ी शांति और आनंद के साथ भोजन कर रहे हैं। कोई मांगने के लिए खड़ा हो जाए तो आपको इस भोजन में फिर आनंद ही नहीं आएगा। गाड़ी में आप भोजन करने के लिए बैठे, कोई भिखारी सामने से आ जाता है। ऐसा चेहरा बनाता है। एक तो गंदे कपड़े, आप उससे दूर हटने को भी कहोगे तो वह नहीं हटता। उस समय आप बिना दिए उससे छुटकारा नहीं पा सकते और जब तक आप दया करके उसे नहीं देंगे तो आपका आनंद ही चला जाएगा।

इस प्रकार दूसरे के ऊपर हमारा यह मन का सुख सब प्रकार से अवलंबित रहता है।

कोई कहे कि नहीं हम तो मनमौजी हैं, अपने मन के अंदर हम सुखी रहेंगे, लेकिन इतने से काम नहीं चलेगा। किसी-न-किसी प्रकार सुख प्राप्त करने को दूसरे का सहारा हमें लेना ही पड़ेगा। बहुधा लोग उसी प्रकार का व्यवहार अपने आप करने लगते हैं। जैसे कि एक क़िस्सा है। एक जुलाहा था। उस जुलाहे की एक लड़की थी। एक बार लड़की झाड़ लगाते-लगाते कुछ सोचने लगी। जैसे कुछ लोगों को कल्पना-लोक में विचरने की आदत होती है। वह भी कल्पना में खो गई। उसकी शादी पक्की हो चुकी थी, इसलिए वह इसी के बारे में सोचने लगी कि कुछ दिन बाद मेरी शादी हो जाएगी। मैं ससुराल चली जाऊंगी। कुछ दिन बाद मेरा बच्चा होगा। उसे खिलाएंगे, पिलाएंगे, घर में आनंद छा जाएगा। उसे कहीं लेकर जाएंगे तो वहां से रुपया मिलेगा, प्रेम मिलेगा। लेकिन फिर उसके मन में विचार आया कि अचानक कोई बीमारी गांव में फैलेगी। उस बीमारी में उसका बच्चा भी बीमार हो जाएगा। उसका इलाज कराया जाएगा। उसके बाद भी वह बच्चा नहीं बचेगा। बच्चा मर जाएगा। यही सोचकर उसके मन के अंदर से रोना छूटने लगा। वह रोने लगी। जब वह रोने लगी तो उसकी मां जो बाहर पानी भरने के लिए गई थी। उस समय वह लौटकर आई। उसे रोता हुआ देखकर वह भी रोने लगी। उस लड़की का भाई आया। उसे रोता देखकर वह भी रोने लगा। पिता आया सबको रोते देखकर उसे भी रोना आ गया। पड़ोसियों ने जब रोने की आवाज़ सुनी तो वे भी वहां आ पहुंचे। उन सबको रोते देखकर पड़ोसिन औरतें भी रोने लगीं। वहां भीड़ इकट्ठी हो गई। एक व्यक्ति ऐसा आया, जिसे जिज्ञासा हुई रोने का कारण जानने की। उसने पूछा कि ये सब क्यों रो रहे हैं? क्या कोई मर गया है? लेकिन किसी को भी कारण पता नहीं था। अंत में जुलाहे से पूछा कि क्या बात हो गई है? जुलाहे ने कहा कि मेरी पत्नी और बच्चे रो रहे थे तो मैं भी रोने लगा। उसकी पत्नी ने कहा कि यह लड़की रो रही थी। मैंने सोचा कि कहीं से मृत्यु का समाचार आया होगा, इसलिए मैं भी रोने लगी। उसके लड़के ने भी यही बताया। बाद में लड़की से पूछा गया कि तू क्यों रो रही थी? तब उसने कहा कि मेरा लड़का मर गया, मैं इसलिए रो रही थी। सभी ने उससे यही पूछा कि तेरा लड़का कहां है? उसने बताया कि मैं इस तरह सब सोच रही थी। तो यह तो एक क़िस्सा है। लेकिन वास्तव में भी मनुष्य दूसरे को देखकर स्वयं भी रो पड़ता है। इसीलिए किसी साहित्यकार ने कहा है कि समाज दर्पण के समान है। इस दर्पण के सामने जैसा चेहरा लेकर खड़े हो जाएंगे, वैसा ही उसमें दिखाई देगा। हंसता हुआ चेहरा लेकर खड़े हो जाएंगे तो हंसता हुआ चेहरा दिखेगा। समाज भी उसी प्रकार से उसकी प्रतिक्रिया करता है। आप हंसते हुए खड़े होंगे तो समाज भी आपको हंसता हुआ दिखेगा। रोते हुए खड़े होंगे तो समाज भी आपको रोता हुआ दिखाई देगा। इस प्रकार से मन का सारा सुख समाज के ऊपर निर्भर करता है।

दुःख बांटने से दुःख कम हो जाता है और सुख बांटने से सुख में बढ़ोतरी होती है। जो व्यक्ति अकेला रहता है, उसको भय लगता है। अकेलेपन का भय। इस बारे में अपने यहां एक कहावत है कि दो तो मिट्टी के भी भले। वे मिट्टी के होंगे, लेकिन कम-से-कम दो तो होंगे।

अकेला कोई सोचे कि मैं अकेले ही सुख प्राप्त कर लूंगा तो अकेला मनुष्य कभी सुख प्राप्त नहीं कर सकता। चार लोगों के साथ मिलकर ही सुख प्राप्त करेगा। कल्पना करें कि किसी के घर में विवाह है। उस विवाह में जितने ज्यादा लोग सम्मिलित होंगे, जितने ज्यादा मित्र आएंगे, उतना ही सुख बढ़ता चला जाएगा। लेकिन किसी का ऐसा विवाह हो कि विवाह में अकेले ही ब्याह करने चले गए, कोई दूसरा आया ही नहीं। न चार स्त्रियां वहां पर गीत गाने के लिए इकट्ठा हुईं और इस तरह यदि किसी का विवाह हुआ तो कोई क्या कहेगा कि यह विवाह काहे का रहा। आनंद तो है वहां, जहां चार लोग इकट्ठा होते हैं। इसी तरह चार सुखी लोग इकट्ठा होंगे तो समाज का सुख बढ़ जाता है। इसी तरह दुःख के विषय में भी है। किसी के यहां मृत्यु हो जाए। वह अकेला ही बैठकर रोता रहे । कोई उसके यहां दुःख बांटने न आए। तब दुःख बढ़ जाता है। यदि कोई उसके पास आकर उसके दुःख का कारण पूछे या उसके रोने के साथ थोड़ा रो दे तो उसका दुःख कम हो जाता है। मृत्यु होने पर उसकी शमशान-यात्रा में लोग हज़ारों की संख्या में सम्मिलित हो जाएं तो उसके घर वालों का दुःख उतना ही कम हो जाता है और यदि कहीं पर सुख का मौक़ा है तो वहां भी हज़ारों लोग इकट्ठा होते हैं। थोड़ी सी परेशानी उनका इंतजाम करने में हो सकती है, लेकिन सुख तो बढ़ जाता है।

इस प्रकार दुःख बांटने से दुःख कम हो जाता है और सुख बांटने से सुख में बढ़ोतरी होती है। जो व्यक्ति अकेला रहता है, उसको भय लगता है। अकेलेपन का भय। इस बारे में अपने यहां एक कहावत है कि दो तो मिट्टी के भी भले। वे मिट्टी के होंगे, लेकिन कम-से-कम दो तो होंगे। इसी तरह आप किसी जंगल में जाइए तो आप अकेले जाएंगे तो आपको डर लगेगा। लेकिन आपको कोई दूसरा साथी मिल जाए तो आपको बिल्कुल भी डर नहीं लगेगा। एक तरह का धैर्य मन में बैठ जाता है कि मैं अकेला नहीं हूं। ■

क्रमशः...

— याज्ञजन्य, मई १६, १९६१, संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : लखनऊ

नहीं रहे पूर्व भाजपा सांसद और वरिष्ठ पत्रकार अश्विनी कुमार चोपड़ा

(11 जून 1956 –18 जनवरी 2020)

भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद और वरिष्ठ पत्रकार श्री अश्विनी कुमार चोपड़ा का निधन हो गया। श्री अश्विनी कुमार लंबे वक्त से बीमार थे। उन्होंने 18 जनवरी को गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। वे 63 वर्ष के थे। श्री अश्विनी कुमार पत्रकारिता जगत के एक जाने-पहचाने नाम थे। वह पंजाब केसरी के मुख्य संपादक थे।

अश्विनी कुमार चोपड़ा का जन्म 11 जून 1956 को जालंधर में हुआ था। 'मिन्ना' नाम से लोकप्रिय श्री अश्विनी कुमार अपनी युवावस्था में एक होनहार क्रिकेटर थे। श्री अश्विनी कुमार 2014 से 2019 तक हरियाणा के करनाल संसदीय क्षेत्र से सांसद रहे।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाब केसरी के प्रधान संपादक एवं पूर्व भाजपा सांसद श्री अश्विनी कुमार चोपड़ा जी के निधन से शोक स्तब्ध हूं। उनका निधन पत्रकार जगत एवं संगठन के लिए एक अपूर्णीय क्षति है। उन्होंने कहा, "मैं शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं।"

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा कि पंजाब केसरी के प्रधान सम्पादक एवं पूर्व सांसद अश्विनी कुमार चोपड़ा के निधन से मुझे अत्यंत दुःख पहुंचा है। वे एक निर्भीक पत्रकार थे, जो बड़ी बेबाक़ी से विभिन्न मुद्दों पर राष्ट्रहित और समाज हित में अपनी बात रखते थे। उनके योगदान के लिए उन्हें हमेशा याद किया जायेगा। ओम् शांति!

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर ने पूर्व सांसद के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए और ट्वीट किया, ''करनाल के पूर्व सांसद और पंजाब केसरी, दिल्ली के संपादक अश्विनी चोपड़ा के निधन के बारे में जानकर काफी दुःख पहुंचा। एक सक्षम राजनेता और एक सफल पत्रकार के रूप में आपका जीवन हम सभी का मार्गदर्शन करता रहेगा।" ■

शोक संदेश

अश्विनी कुमार चोपड़ा के निधन से बहुत दुःख हुआ। उन्हें मीडिया जगत में उनके योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने जनप्रतिनिधि के रूप में काम किया और कई सामुदायिक कल्याणकारी योजनाओं की पहल की। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें और उनके परिवार को ये कष्ट सहने की शक्ति दें।

– नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सिर्फ परीक्षा के अंक जिंदगी नहीं: नरेन्द्र मोदी

विफलताओं को बड़े अवरोध के रूप में नहीं देखना चाहिए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जनवरी को नई दिल्ली स्थित तालकटोरा स्टेडियम में छात्रों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा' की और उनसे कहा कि परीक्षा में अच्छे अंक मिलना ही सब कुछ नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि घरों में एक कमरा तकनीकमुक्त हो और वहां कोई उपकरण (गैजट) नहीं होना चाहिए। 50 दिव्यांग विद्यार्थियों ने भी इस पारस्परिक संवाद कार्यक्रम में भाग लिया।

90 मिनट से भी अधिक अवधि तक चले इस संवाद कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने ऐसे अनेक विषयों पर प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया जो उनकी दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण थे। इस वर्ष भी देशभर के विद्यार्थियों के साथ-साथ विदेश में रहने वाले भारतीय विद्यार्थियों ने भी इस आयोजन में भाग लिया।

इस दशक के विशेष महत्व के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान दशक की उम्मीदें एवं आकांक्षाएं उन बच्चों पर निर्भर हैं, जो देशभर के स्कूलों में अपने अंतिम वर्ष की शिक्षा पा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारा देश इस दशक में जो भी हासिल करेगा उसमें 10वीं, 11वीं एवं 12वीं कक्षाओं के मौजूदा विद्यार्थियों को अत्यंत अहम भूमिका निभानी हैं। देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाना और नई उम्मीदों को पूरा करना, यह सब नई पीढ़ी पर ही निर्भर है।'

दिल से प्रिय है 'परीक्षा पे चर्चा'

संवाद शुरू करने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही वह विभिन्न आयोजनों एवं कार्यक्रमों में भाग लेते हों, लेकिन जो कार्यक्रम उन्हें दिल से प्रिय है वह 'परीक्षा पे चर्चा' ही है।

जब एक विद्यार्थी ने अध्ययन या पढ़ाई में रुचि घट जाने से संबंधित सवाल पूछा तो प्रधानमंत्री ने कहा कि अक्सर कई ऐसे कारणों से विद्यार्थियों का उत्साह घट जाता है जो उनके वश में नहीं होता है। इसका एक कारण यह भी है कि वे अपनी-अपनी अपेक्षाओं को बहुत अधिक महत्व देने की कोशिश करने लगते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'प्रेरणा और उत्साह घट जाना अत्यंत सामान्य बात है। प्रत्येक व्यक्ति को इन भावनाओं से गुजरना पड़ता है। इस संबंध में मैं चंद्रयान के दौरान इसरो की अपनी यात्रा और हमारे अत्यंत मेहनती वैज्ञानिकों के साथ बिताए गए समय को कभी भी नहीं भूल सकता।'

उन्होंने कहा, 'हमें विफलताओं को गहरे झटकों अथवा बड़े अवरोधों के रूप में नहीं देखना चाहिए। हम जीवन के प्रत्येक पहलू में उत्साह को शामिल कर सकते हैं। किसी भी तरह का अस्थायी झटका लगने का मतलब यह नहीं है कि हम जीवन में सफल नहीं हो सकते हैं। दरअसल, कोई भी झटका लगने का मतलब यही है कि अभी सर्वोत्तम हासिल करना बाकी है। हमें अपनी व्यथित परिस्थितियों को एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ाने के रूप में बदलने की कोशिश करनी चाहिए।'

क्या अंक ही सब कुछ है?

परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने तथा क्या अंक ही निर्णायक होते हैं, सम्बंधी प्रश्न पूछे जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'हमारी शिक्षा प्रणाली विभिन्न परीक्षाओं में हमारे प्रदर्शन के आधार पर सफलता तय करती है। हमारा और हमारे माता-पिता का सारा ध्यान अच्छे अंक प्राप्त करने पर लगा रहता है, इसलिए हम इस दिशा में प्रयास करते हैं।'

उन्होंने कहा कि आज अनेक अवसर मौजूद हैं। इस सम्बंध में उन्होंने छात्रों से कहा कि वे इस भावना से बाहर निकलें कि परीक्षाओं में सफलता या असफलता ही सब कुछ तय करती है।

उन्होंने कहा, 'अंक ही जीवन नहीं हैं। इसी तरह हमारे पूरे जीवन का निर्णय परीक्षा नहीं कर सकती। यह आगे बढ़ने का कदम है, अपने जीवन में आगे बढ़ने का एक महत्वपूर्ण कदम है। मैं सभी माता-पिताओं से आग्रह करता हूं कि वे अपने बच्चों से यह न कहें कि अंक ही सब कुछ हैं। अगर अच्छे अंक नहीं मिलते तो ऐसा व्यवहार न करें कि आप सब कुछ खो चुके हैं। आप किसी भी क्षेत्र में जा सकते हैं। हमारे यहां अपार अवसर मौजूद हैं।'

उन्होंने कहा कि परीक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन वह पूरा जीवन नहीं है। आपको इस मानसिकता से बाहर आना होगा।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी का महत्व

प्रौद्योगिकी के महत्व और शिक्षा में उसकी उपयोगिता के प्रश्न पर प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्रों को प्रौद्योगिकी में आधुनिक चीजों के प्रति खुद को परिचित करना चाहिए। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के खतरों के प्रति सावधान रहें।

उन्होंने कहा, 'प्रौद्योगिकी का भय अच्छा नहीं होता। प्रौद्योगिकी एक मित्र है। केवल प्रौद्योगिकी का ज्ञान होना पर्याप्त नहीं है। उसका उपयोग भी महत्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है, लेकिन अगर हम उसका दुरुपयोग करेंगे तो उससे हमारे अमूल समय और संसाधनों को नुकसान पहुंचेगा।'

पाठ्येतर गतिविधियों और अध्ययन में संतुलन जरूरी

पाठ्येतर गतिविधियों और अध्ययन में संतुलन स्थापित करने से संबंधित एक सवाल के जवाब में प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी विद्यार्थी के जीवन में पाठ्यक्रम के साथ-साथ अन्य गतिविधियों के विशेष महत्व को कमतर नहीं आंका जा सकता है।

उन्होंने कहा, 'पाठ्येतर गतिविधियां न करना किसी भी विद्यार्थी को एक रोबोट की तरह बना सकता है।' लेकिन प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि पाठ्येतर गतिविधियों और अध्ययन में संतुलन स्थापित करने के लिए विद्यार्थियों को समय का बेहतर एवं इष्टतम प्रबंधन करना होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज तरह-तरह के अवसर उपलब्ध हैं और मैं उम्मीद करता हूं कि युवा इनका सही ढंग से इस्तेमाल करेंगे और पूरे जोश के साथ अपने शौक अथवा अपनी रुचि के कार्य को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'

हालांकि, उन्होंने अभिभावकों को आगाह करते हुए कहा कि वे अपने बच्चों की पाठ्येतर गतिविधियों को फैशन स्टेटमेंट अथवा विशिष्टता न बनने दें।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह अच्छा नहीं होता है जब बच्चों का जुनून अभिभावकों के लिए फैशन स्टेटमेंट बन जाता है। पाठ्येतर गतिविधियां तड़क-भड़क से प्रेरित नहीं होनी चाहिए। हर बच्चे को वही करने देना चाहिए जो वह करना चाहता/चाहती है।'

अधिकार बनाम कर्तव्य

छात्रों के अधिकारों और अपने कर्तव्यों के प्रति नागरिकों को जागरूक करने सम्बंधी प्रश्न पर प्रधानमंत्री ने कहा कि व्यक्ति के अधिकार उनके कर्तव्यों में निहित होते हैं। अध्यापक का उदाहरण देते हुए उन्होंने यह कहा कि अध्यापक जब अपने कर्तव्यों का पालन करता है तो वह छात्रों के अधिकारों को पूरा करता है।

इस विषय पर राष्ट्र पिता के विचारों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'महात्मा गांधी ने कहा था कि कोई मौलिक अधिकार नहीं होता, बल्कि मौलिक कर्तव्य होते हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज मैं छात्रों से बात कर रहा हूं, जो 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा, उस समय छात्र भारत के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। मैं आशा करता हूं कि यह पीढ़ी हमारे संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्यों के आधार पर अपने जीवन में काम करेगी।'

दबाव एवं माता–पिता तथा शिक्षकों की उम्मीदों से निपटें कैसे

दबाव एवं माता-पिता तथा शिक्षकों की उम्मीदों से कैसे निपटा जाए, इसके बारे में प्रधानमंत्री ने माता-पिता से मांग करते हुए कहा कि छात्रों पर दबाव न बनाएं, बल्कि उनका साथ दें। 'बच्चों पर दबाव बनाने की बजाय उनका साथ देने से आगे का रास्ता मिलता है। बच्चों को ऐसे कार्यों के लिए प्रेरित करें, जिससे उनकी आंतरिक क्षमता मजबूत होती हो।'

अध्ययन के लिए सबसे अच्छे समय के बारे में पूछे गये एक सवाल पर प्रधानमंत्री ने सलाह दी कि पर्याप्त आराम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि अध्ययन करना। उन्होंने कहा, 'सुबह में दिमाग उतना ही साफ रहता है, जितना कि वर्षा के बाद आकाश साफ रहता है, किसी छात्र को उसी समय-सारणी का अनुसरण करना चाहिए, जो उसके लिए सहज हो।'

परीक्षा के दौरान एकाएक दिमाग खाली पड़ने के बारे में प्रधानमंत्री ने छात्रों को बताया कि वे अपनी तैयारी पूरी तरह करें। उन्होंने कहा, 'मैं छात्रों से कहूगां कि वे तैयारी के बारे में आश्वस्त रहें। वे किसी तरह के दबाव के साथ परीक्षा भवन में प्रवेश न करें। दूसरे लोग क्या कर रहे हैं, इससे परेशान न हों। अपने आप में विश्वास रखें और आपने जो तैयारी की है, उस पर ध्यान दें।'

भविष्य में कैरियर के विकल्प

भविष्य में कैरियर के विकल्प के बारे में प्रधानमंत्री ने छात्रों को बताया कि अपने दिल की बात सुनें तथा राष्ट्र तथा इसके विकास के प्रति उत्साह से कार्य करें। उन्होंने कहा, 'कैरियर काफी महत्वपूर्ण है, प्रत्येक व्यक्ति को कुछ जिम्मेदारी लेनी होती है। हम अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करके भी राष्ट्र के प्रति हमेशा योगदान कर सकते हैं।' ■

हमारे तट विकास के द्वार हैं: प्रधानमंत्री

कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 12 जनवरी को कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट की 150वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के 150 वर्षों के उपलक्ष्य में मूल पोर्ट जेटी के स्थल पर एक पट्टिका का अनावरण किया। श्री मोदी ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट की 150वीं वर्षगांठ समारोह में शामिल होने को सौभाग्य की बात बताते हुए इसे देश की जल शक्ति का एक ऐतिहासिक प्रतीक बताया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह बंदरगाह भारत के विदेशी शासन से आजाद होने जैसे देश के कई ऐतिहासिक क्षणों का साक्षी रहा है। इस बंदरगाह ने सत्याग्रह से स्वच्छाग्रह तक देश को बदलते देखा है। इस बंदरगाह ने न केवल खेपें, बल्कि ज्ञान के वाहक भी देखे हैं, जिन्होंने देश और दुनिया पर अपनी छाप छोड़ी है। कोलकाता का यह बंदरगाह एक तरह से औद्योगिक, आध्यात्मिक और आत्मनिर्भरता के लिए भारत की आकांक्षा का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान पोर्ट एंथम का भी शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात के लोथल बंदरगाह से कोलकाता बंदरगाह तक भारत का लंबा तटीय क्षेत्र न केवल व्यापार और व्यवसाय में लगा रहा बल्कि दुनिया भर में सभ्यता और संस्कृति के प्रसार का भी काम करता रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार मानती है कि हमारे तट विकास के द्वार हैं। यही कारण है कि सरकार ने बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और बंदरगाहों को जोड़ने के काम में सुधार के लिए सागरमाला परियोजना शुरू की।

उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 6 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 3600 परियोजनाओं की पहचान की गई है। इनमें से 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 200 से अधिक परियोजनाएं चल रही हैं और लगभग एक सौ पच्चीस परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

उन्होंने कहा कि कोलकाता बंदरगाह नदी जलमार्गों के निर्माण के कारण पूर्वी भारत के औद्योगिक केंद्रों से जुड़ा हुआ है। इससे नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और म्यांमार जैसे देशों के साथ व्यापार करना आसान हो गया है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट ट्रस्ट

प्रधानमंत्री ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट का नाम डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर रखने की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि बंगाल के पुत्र डॉ. मुखर्जी ने देश में औद्योगीकरण की नींव रखी और चित्तरंजन लोकोमोटिव फैक्ट्री, हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट फैक्ट्री, सिंदरी फर्टिलाइज़र फैक्ट्री और दामोदर वैली कॉरपोरेशन जैसी परियोजनाओं के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि मुझे बाबा साहेब भी याद हैं। डॉ. मुखर्जी और बाबा साहेब ने स्वतंत्रता के बाद के भारत को एक नया दृष्टिकोण दिया।

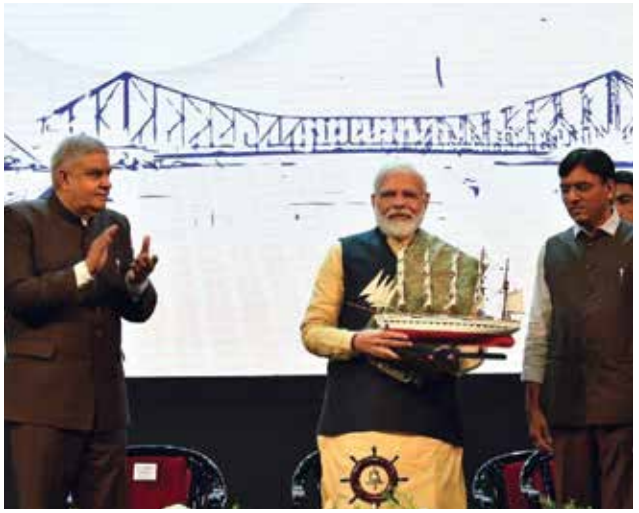

कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के पेंशनधारकों का कल्याण

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के सेवानिवृत्त और मौजूदा कर्मचारियों के पेंशन फंड की कमी को पूरा करने के लिए अंतिम किस्त के रूप में 501 करोड़ रुपये का चेक भी सौंपा। उन्होंने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के दो सबसे पुराने पेंशनधारकों श्री नगीना भगत (105 वर्ष) और श्री नरेश चंद्र चक्रवर्ती (100 वर्ष) को सम्मानित भी किया।

आदिवासी छात्राओं के लिए कौशल विकास केंद्र का उद्घाटन

प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार पश्चिम बंगाल खासकर वहां के गरीबों, वंचितों और शोषितों के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जैसे ही पश्चिम बंगाल की राज्य सरकार 'आयुष्मान भारत योजना' और 'पीएम किसान सम्मान निधि योजना' को मंजूरी देगी, यहां के लोगों को भी इन योजनाओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

प्रधानमंत्री ने नेताजी सुभाष ड्राई डॉक में कोचीन कोलकाता जहाज मरम्मत इकाई के उन्नत जहाज मरम्मत सुविधा का भी उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने फुल रेक हैंडलिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया और सुचारू कार्गो आवाजाही और जहाज पर माल लादने एवं उतारने की प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिए कोलकाता के डॉक सिस्टम के उन्नत रेलवे इन्फ्रास्ट्रक्चर को समर्पित किया।

प्रधानमंत्री ने कोलकाता पोर्ट ट्रस्ट के हल्दिया डॉक कॉम्प्लेक्स के बर्थ नंबर 3 के मशीनीकरण और प्रस्तावित रिवरफ्रंट विकास योजना का भी शुभारंभ किया। ■

अरविन्द केजरीवाल केवल और केवल झूठ के आधार पर ही राजनीति कर रहे हैं: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 जनवरी को दिल्ली विधान सभा चुनाव के मद्देनजर पंजाबी बाग में आयोजित विशाल जन-सभा को संबोधित किया और स्थानीय जनता से भाजपा को विजयी बनाते हुए दिल्ली में पूर्ण बहुमत की कमल फूल की सरकार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी श्री कैलाश सांकला भी उपस्थित रहे। इससे पहले उन्होंने पंजाबी बाग के चुनावी कार्यालय का भी उद्घाटन किया और स्थानीय लोगों से बातें की।

श्री नड्डा ने कहा कि दिल्ली की जनता झूठे वादे करने वाली केजरीवाल सरकार को दिल्ली से उखाड़ फेंककर विकास के प्रति कटिबद्ध भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के लिए तैयार है। पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश के घर-घर जाएं तो केजरीवाल सरकार एवं कांग्रेस पार्टी के असली चेहरे को जनता के सामने बेनकाब करें। यदि हम ऐसा करें तो कोई कारण नहीं कि दिल्ली में भाजपा को प्रचंड जीत न मिले। उन्होंने कहा कि बाकी राजनीति पार्टियों में या तो नेता नहीं है, नेता है तो नीति नहीं है। विकास एवं देशहित के कार्यक्रम और कार्यकर्ता तो रह ही नहीं गए। यह केवल और केवल भारतीय जनता पार्टी है जहां राष्ट्रीय स्तर से लेकर गांवों और बूथों तक देश के लिए समर्पित नेताओं की श्रृंखला है।

केजरीवाल सरकार पर दिल्ली प्रदेश की जनता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने एक भी वादा पूरा नहीं किया, वे केवल और केवल झूठ के आधार पर ही राजनीति कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिल्ली की 1731 अनधिकृत कॉलोनियों को अधिकृत कर दिल्ली की 40 लाख से अधिक आबादी को उनके घर का अधिकार दिया लेकिन श्रीमान अरविन्द केजरीवाल और उनकी सरकार लगातार इसमें अड़ंगा लगाती रही। यह हमारी जिम्मेवारी है कि हम दिल्ली की जनता को उनकी सच्चाई बताएं। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी दिल्ली के गरीबों के लिए "जहां झुग्गी, वहां मकान" का लक्ष्य लेकर चले हैं। जब तक झुग्गी की जगह मकान मिलेगा, तब तक झुग्गी में रहने वाले लोगों की भी वैकल्पिक व्यवस्था की जायेगी। आईटीओ पर अंडरपास बनाया जा रहा है। दिल्ली-मेरठ फर्स्ट फेज का काम पूरा हो चुका है। पेरिफेरल रोड का निर्माण हुआ। मोदी सरकार को जब भी मौके मिले, दिल्ली का विकास कर दिखाया।

केजरीवाल सरकार पर हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने पांच साल में 500 स्कूल और 20 हॉस्पिटल बनाने का वादा किया था, 5000 नई डीटीसी बसें सड़कों पर उतारने का वादा किया था, 15 लाख सीसीटीवी और फ्री वाई-फाई लगाने

का वादा किया था, लेकिन इसमें से एक भी वादा पूरा नहीं हुआ। केजरीवाल सरकार तो लोकपाल भी भूल गई जिस पर आंदोलन की राह पकड़ कर वे सत्ता में आये थे। उन्होंने कहा कि जनता के साथ विश्वासघात करने वाली और झूठ बोलने वाली केजरीवाल सरकार को सजा देने का समय आ गया है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि आप भारी बहुमत से कमल का बटन दबाते हुए भारी बहुमत से कैलाश सांकला को विजयी बनाने की अपील की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली सहित समग्र हिंदुस्तान की जनता ने 2019 के लोकसभा चुनाव में पिछली बार से भी अधिक सीटें भाजपा की झोली में डालकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और भाजपा के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त की और पिछले 8 महीनों में ही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कई ऐसे ऐतिहासिक कार्य किये जो आजादी के 70 सालों में भी नहीं हुए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने धारा 370 को भी टेम्परारी बनाकर देश को समस्याओं में उलझाए रखा था जिसके चलते जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार, आतंकवाद और अलगाववाद फला-फूला लेकिन अब धारा 370 के हटने से अब वहां विकास का नया सूरज निकला है।

भगवान् श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण पर बोलते हुए श्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने भगवान् राम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर के निर्माण को भी सुप्रीम कोर्ट में लटकाने की कई बार कोशिश की। हमें ख़ुशी है कि सुप्रीम कोर्ट में समयबद्ध तरीके से इस विषय की सुनवाई हुई और हम सबके आराध्य प्रभु श्रीराम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर के निर्माण का रास्ता साफ हुआ। कांग्रेस और आप पार्टी पर हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि हमने ट्रिपल तलाक ख़त्म कर मुस्लिम महिलाओं को बराबरी और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया। ■

दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर 'आरोप पत्र'

झूठ, फरेब एवं विश्वासघात की राजनीति बेनकाब

दिल्ली विधानसभा का चुनाव आ चुका है। मतदान करने से पूर्व यह आवश्यक है कि केजरीवाल सरकार को उसके वादों एवं कार्यों की कसौटी पर परखा जाये। इसमें अब कोई संदेह नहीं कि अरविंद केजरीवाल और उनकी राजनीति पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है। भ्रष्टाचार, कुशासन एवं अकर्मण्यता के दलदल में डूबी आम आदमी पार्टी सरकार ने दिल्ली की जनता को धोखे पर धोखे दिये हैं। आइये, उनके पिछले पांच वर्षं के काले चिट्ठे पर नजर डालते हैं :

शुचिता का राग अलापने वाली केजरीवाल सरकार में दागी नेताओं की भरमार

- सेक्स कांड में केजरीवाल के एक मंत्री संदीप कुमार को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी।
- रिश्वत मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अपने कैबिनेट मंत्री आसिम अहमद खान को हटाने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- केजरीवाल सरकार के मंत्री जितेंद्र सिंह तोमर को पद से हटाया गया, उन पर फर्जी डिग्री प्रस्तुत करने का आरोप था।
- दिल्ली के परिवहन मंत्री गोपाल राय को भी भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद मंत्री पद से बेदखल किया गया।

'टुकड़े-टुकड़े' गैंग के साथ खड़ी आप सरकार

- आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं के इशारे पर जामिया यूनिवर्सिटी में हिंसक घटनाओं को अंजाम दिया गया।
- इस साजिश के पहले किरदार दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और दूसरे आम आदमी पार्टी के ओखला से विधायक अमानतुल्लाह खान है, जिनके खिलाफ इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई गई है।
- जेएनयू देशद्रोह मामला भी दिल्ली सरकार के पास ही लंबित है। इसको लेकर कोर्ट दिल्ली प्रशासन को फटकार भी लगा चुका है।
- केजरीवाल ने दिल्ली की स्वास्थ्य व्यवस्था को आईसीयू में पहुंचाया।
- नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक "स्वस्थ राज्य, प्रगतिशील भारत" में दिल्ली की गिरती हुई सेहत को साफ देखा जा सकता है। केंद्र शासित राज्यों के सूचकांक में दिल्ली दो पायदान फिसलकर 5वें स्थान पर आ गई है।
- केजरीवाल सरकार ने अस्पतालों में बेड की संख्या को 30,000 तक बढ़ाने का वायदा किया था, लेकिन अपने 5 साल के कार्यकाल में केवल 394 बेड ही मौजूदा व्यवस्था में जोड़ सकी।
- केजरीवाल सरकार ने 900 नए प्राइमरी हेल्थ केयर सेंटर बनाने का वादा किया था और शर्म की बात है कि पिछले 5 वर्षों में एक भी नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नहीं बन पाया।
- मुफ्त निदान, मुफ्त दवा और सभी मुफ्त स्वास्थ्य जांच जैसे महत्वपूर्ण वादा के साथ केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में 'मोहल्ला क्लीनिक' के नाम पर सिर्फ धोखा दिया गया।
- करीब 130 'मोहल्ला क्लीनिक खोलने की बात कही गई, लेकिन मुश्किल से 50-60 मोहल्ला क्लीनिक खोले गए। जिनमें व्यापक भ्रष्टाचार हुआ है और मरीजों की फर्जी एंट्री के मामले बढ़े।
- पिछले 5 सालों में दिल्ली सरकार का स्वास्थ्य विभाग आवंटित बजट का 100% उपयोग एक बार भी नहीं कर पाया। इस साल भी कुल स्वास्थ्य बजट का केवल 46.47% उपयोग किया गया है।
- दिल्ली सरकार के अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ (डॉक्टर, सर्जन और विशेषज्ञ) की संख्या में 34% की कमी है। पैरा

मेडिकल स्टाफ में 29% की कमी, नर्सों की संख्या में 22% कमी, प्रशासनिक कर्मचारी की संख्या में 40% की कमी है।

केंद्र की 'आयुष्मान योजना' को दिल्ली में रोका गया

- दिल्ली में केजरीवाल सरकार ने 'आयुष्मान योजना' को जानबूझ कर रोक लिया है और दिल्ली के लाखों गरीब लोग इसके लाभ लेने से वंचित हो गए हैं।

प्रदूषण रोकने में केजरीवाल सरकार नाकाम

- 'विश्व वायु गुणवत्ता सूचकांक' रैंकिंग पर एयर विजुअल के आंकड़ों के मुताबिक नई दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है।
- धूल और कूड़ा प्रदूषण के खिलाफ एक्शन प्लान तक नहीं बना पाई।
- दिल्ली वायु प्रदूषण की वजह से लोग गंभीर रूप से प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं, जिसके चलते उनकी सेहत और स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है।
- दिल्ली में 'हेल्थ रिस्क रैंकिंग' के लिहाज से वायु प्रदूषण, अब मृत्यु होने की तीसरी सबसे बड़ी वजह बन चुकी है।
- सुप्रीम कोर्ट ने प्रदूषण मामले में आम आदमी पार्टी सरकार को कड़ी फटकार लगाई है और कहा है कि प्रदूषण पर अरविंद केजरीवाल की सरकार उचित कदम उठाने में नाकामयाब रही है।

5,000 नई बसों को शामिल करने का खोखला वादा

- आप सरकार ने दावा किया था कि डीटीसी के मौजूदा बेड़े में 5,000 नई बसों को शामिल किया जाएगा।
- लेकिन केजरीवाल सरकार के कार्यकाल में यह आंकड़ा 4,705 बसों से गिरकर 3,762 बसों तक पहुंच गया है।
- अपने पूरे कार्यकाल में केवल 50 बस ही शामिल करने में कामयाब रही।
- महिला सुरक्षा को लेकर नाटक करने वाली दिल्ली सरकार अब तक केवल डीटीसी की 25 बसों में सीसीटीवी कैमरे लगा पाई है।

स्वच्छ पानी को तरसती दिल्ली

- दिल्ली का पानी सबसे ज्यादा प्रदूषित है, बीआईएस की रिपोर्ट ने दिल्ली सरकार के दावों की कलई को खोलकर रख दिया।
- दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार 650 से अधिक झुग्गी-झोपड़ियों में पानी का कनेक्शन नहीं हैं।
- पिछले दो वर्षों में 'पानी की आपूर्ति नहीं होने' को लेकर पंजीकृत शिकायतों की संख्या 34,554 से बढ़कर 52,100 हो गई, जबकि 'दूषित जल' से संबंधित शिकायतें 27,227 से बढ़कर 33,884 हो गईं, जो 24 प्रतिशत की वृद्धि है।

शिक्षा पर फेल रही सरकार

- पिछले पांच सालों में दिल्ली सरकार के स्कूली छात्रों का प्रदर्शन निराशाजनक है।
- 10वीं कक्षा में दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पास प्रतिशत 71.58% रहा और दिल्ली के सरकारी स्कूलों के 28.42% छात्र दसवीं की परीक्षा में असफल रहे।
- इसी तरह, बारहवीं की परीक्षा में दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले केवल 0.84% छात्र ही 90% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने में कामयाब हुए हैं।
- एक रिपोर्ट के मुताबिक 79% छात्रों ने अपने शिक्षकों को 4 के पैमाने से नीचे रखा।
- 'आप' के नेतृत्व वाली सरकार अपने चुनावी वादे, जिसमें 500 नए विद्यालयों के निर्माण की बात कही गई थी, उस पर खरी नहीं उतरी है।

स्ट्रीट वेंडर्स के साथ नाइंसाफी

- आम आदमी पार्टी अपने वादे जिसमें सत्ता में आने के 90 दिनों के भीतर रेहड़ी-पटरी वालों को नियमित करने का कानून बनाने का वादा किया था, उसे 58 महीनों बाद भी पूरा नहीं कर सकी है।
- दिल्ली सरकार ने टाउन वेंडिंग कमेटियों के गठन का वादा किया था, लेकिन 58 महीने बाद भी यह काम पूरा नहीं हुआ है। 28 समितियों का गठन किया जाना था। लेकिन उनका अभी तक गठन नहीं हुआ है।
- दिल्ली सरकार जनता को आवास देने में असफल रही।
- आम आदमी पार्टी ने अनधिकृत कॉलोनियों में संपत्ति और बिक्री कार्यों के संबंध में पंजीकरण अधिकार प्रदान करने का वादा किया था जो खोखला साबित हुआ।

बिजली की अनकही कहानी

- केजरीवाल सरकार में बिजली कंपनियों को 600 करोड़ रुपए दी जाने वाली सब्सिडी का विरोध कर सत्ता में आयी और आज इन कंपनियों को 2500 करोड़ रुपए सब्सिड़ी के नाम पर दे रही है।
- यदि 600 करोड़ रुपए की सब्सिडी में भ्रष्टाचार हो रहा था तो अब कितना भ्रष्टाचार हो रहा है। प्राइवेट बिजली कंपनियों का ऑडिट करने का जो वादा आप सरकार ने किया था वह वादा ही रह गया।
- सौर ऊर्जा का वादा... वादा ही रहा।

समय आ गया है कि दिल्ली की जनता केजरीवाल सरकार को भ्रष्टाचार, कुशासन, झूठ, फरेब एवं विश्वासघात के लिये सबक सिखाये। ■

छः वर्षों में देश बदला है, अब दिल्ली को बदलने की बारी है: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 25 जनवरी को दिल्ली विधान सभा चुनाव के मद्देनजर जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित वालंटियर्स मीट "जीत की गूंज" को संबोधित किया और दिल्ली की जनता से प्रदेश की सुरक्षा और राज्य के विकास के लिए भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सर्वश्री मनोज तिवारी, केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता हर्षवर्द्धन, भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल, भाजपा सांसद प्रवेश वर्मा, भाजपा सांसद श्रीमती मीनाक्षी लेखी, भाजपा सांसद रमेश विधूड़ी, भाजपा सांसद हंसराज हंस, भाजपा सांसद गौतम गंभीर और भाजपा के आईटी एवं सोशल मीडिया हेड अमित मालवीय भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम के लिए 25,000 से अधिक रजिस्ट्रेशन प्राप्त हुए थे। इस कार्यक्रम से फेसबुक पर भी लाखों युवा जुड़े हुए थे।

दिल्ली की जनता गंदा पानी पीने को मजबूर

श्री शाह ने कहा कि आज कल मैं कुछ भी बोलता हूं तो श्रीमान अरविन्द केजरीवाल तुरंत उसे ट्वीट कर देते हैं। वे तो आज कल दिल्ली की जनता का नाम कम लेते हैं, मेरा नाम अधिक लेते हैं। केजरीवाल जी ने घरों में पाइपलाइन से आरओ से भी बढ़िया पानी पहुंचाने का वादा किया था। पाइपलाइन से पानी पहुंचाना तो दूर की बात, दिल्ली की जनता को ऐसा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ा कि BIS के 21 शहरों के सर्वे में सबसे गंदा पानी दिल्ली का पाया गया है। जो दिल्ली जल बोर्ड 178 करोड़ रुपये के मुनाफे में चल रही थी, उसे 800 करोड़ रुपये के घाटे में धकेल दिया गया जिसके अध्यक्ष अरविन्द केजरीवाल खुद हैं। श्रीमान केजरीवाल ने तो यमुना को भी साफ़ करने का वादा किया था, लेकिन वे ज़रा यमुना जी के पानी से आचमन कर के तो दिखाएं! यदि उन्हें जल को स्वच्छ करना था तो इलाहाबाद कुंभ में ही चले जाते कि मोदी जी और योगी जी ने मां गंगा के जल को निर्मल कैसे बनाया।

शिक्षा व्यवस्था पर केजरीवाल सरकार का झूठ उजागर

शिक्षा पर केजरीवाल के झूठ को उजागर करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली में शिक्षा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन करने का वादा किया था। लेकिन उन्होंने ये परिवर्तन शिक्षा-स्तर को गिराने में किया। केजरीवाल सरकार ने 1000 नए स्कूल, 20 कॉलेज और समर्थ स्कूल खोलने का वादा किया था, लेकिन जमीन पर कुछ भी दिखाई नहीं देता। जो 25 स्कूल बने भी हैं, उनका कार्य 2015 से पहले शुरू हुआ था। ऐसी मीडिया रिपोर्ट है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों से पिछले पांच वर्षों में ढाई लाख बच्चे प्राइवेट स्कूलों में शिफ्ट कर गए हैं। पिछले पांच वर्षों में दिल्ली के सरकारी स्कूलों के प्राइमरी सेक्शन में लगभग 93,000 अर्थात 6% बच्चे कम हुए हैं। 2015 में दिल्ली के सरकारी स्कूलों के दसवीं के परिणाम भी कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। 2015 में दिल्ली की दसवीं का रिजल्ट जहां 95.81% था जो 2019 में घट कर 71.58% रह गया है। अरविन्द केजरीवाल जी ने 20 हजार से ज्यादा गेस्ट शिक्षकों को पक्का करने का वादा किया था, वह भी पूरा नहीं हुआ। लगभग 700 स्कूलों में प्रिंसिपल नहीं हैं, 1000 से अधिक स्कूलों में साईंस विंग ही नहीं है, 19 हजार शिक्षकों की कमी है। आखिर इसका जिम्मेवार कौन है? शायद जवाब देने के डर से ही श्रीमान केजरीवाल आज कल जन-सभा नहीं कर रहे।

प्रदूषण मुक्त करने के लिए जुटाए पैसे को विज्ञापन में उड़ाया केजरीवाल सरकार ने

दिल्ली के प्रदूषण की चर्चा करते हुए श्री शाह ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को प्रदूषण-मुक्त करने का वादा किया था, लेकिन हाल ही में एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि मुझे प्रदूषण के बारे में कोई जानकारी नहीं है और यह मेरा काम नहीं है। पर दिल्ली की जनता ने तो केजरीवाल सरकार के प्रदूषण को कम करने का इश्तिहार तो देखा ही है। ग्रीन दिल्ली के नाम पर सेस के जरिये केजरीवाल सरकार ने 1200 करोड़ जुटाए, जिसमें से केवल 216 करोड़ रुपये ही आप पार्टी सरकार ने खर्च किये। इस 216 करोड़ रुपये में भी 186 करोड़ केजरीवाल सरकार ने केवल विज्ञापन पर खर्च कर डाले। केजरीवाल सरकार ने दिल्ली को पानी भी दूषित दी, हवा भी जहरीली दी, झूठ भी जहरीला ही बोलती है। हमने हमारा कार्यक्षेत्र न होने के बावजूद दिल्ली में प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाये।

सड़क, रेल, बिजली, फ्री वाई-फाई और सीसीटीवी पर केजरीवाल का दावा कोरा झूठ

भाजपा के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली की सड़कों पर 5,000 डीटीसी की बसों को उतारने का वादा किया था, लेकिन बसों की संख्या बढ़ाना तो दूर की बात, इस सरकार ने तो 1087 बसों की संख्या ही कम कर

दी। केजरीवाल सरकार के आने से पहले डीटीसी बसों की संख्या 4705 बसें थी जो कि 12 नवंबर 2019 को घटकर 3,781 रह गई। दिल्ली में मेट्रो का जाल मोदी सरकार ने बुना। 2014 के पहले दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क में औसतन करीब 14 किलोमीटर प्रतिवर्ष का विस्तार हो रहा था। हमारी सरकार आने के बाद अब ये करीब-करीब 25 किलोमीटर प्रतिवर्ष हो गया है। पिछले पांच साल में दिल्ली में 116 किलोमीटर नई लाइनें शुरू हुई हैं। इसके अलावा अभी करीब 70 किलोमीटर नए रूट पर काम हो रहा है। दिल्ली मेट्रो के फेज-4 को लेकर अगर यहां की राज्य सरकार ने राजनीति नहीं की होती, बेवजह के अड़ेंगे नहीं लगाए होते, तो इसका काम भी काफी पहले शुरू हो गया होता। केजरीवाल सरकार ने रिंग रेल बनाने का वादा किया था, वह भी जमीन पर नहीं उतरा। केजरीवाल सरकार ने फ्री वाई-फाई देने का वादा किया था, लेकिन ये कैसा वाई-फाई है कि बैटरी ख़त्म हो जाती है लेकिन मिलता ही नहीं। जब मैंने ऐसा कहा तो केजरीवाल कहते हैं कि हमने 200 यूनिट तक बिजली फ्री की हुई है, मोबाइल चार्ज करा लो। हालत तो यह है कि 200 यूनिट से कम खपत वालों के पास भी बिजली के बिल आ रहे हैं। 15 लाख सीसीटीवी के वादे का तो कहना ही क्या? ढूंढ़ने से भी दिखाई नहीं देती। इसी तरह हॉस्पिटल में सुविधाओं में सुधार के लिए भी केजरीवाल जी ने अनेक वादे किये थे जो झूठे ही निकले।

केंद्र की जनोपयोगी योजनाओं को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया केजरीवाल सरकार ने

श्री शाह ने कहा कि झूठे वादे कर उसे पूरा करना तो दूर की बात अरविन्द केजरीवाल सरकार ने केंद्र की मोदी सरकार की योजनाओं के फायदे से भी दिल्ली की जनता को महरूम करने का प्रयास किया। केजरीवाल सरकार ने न तो गरीबों के लिए वरदान साबित होने वाली 'आयुष्मान भारत' योजना को लागू होने दिया और न ही प्रधानमंत्री आवास योजना को ही लागू होने दिया।

विकास का पैगाम – जहां झुग्गी, वहां मकान, अनधिकृत कॉलोनियां हुई अधिकृत

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का लक्ष्य है कि देश के हर गरीब के पास अपना घर होना चाहिए और इसी लक्ष्य के साथ प्रधानमंत्री जी ने दिल्ली की गरीब जनता के लिए "जहां झुग्गी, वहीं पक्का मकान" देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। दिल्ली में 20 सालों तक कांग्रेस और आप पार्टी की सरकार रही, लेकिन अनधिकृत कॉलोनियों का दर्द किसी ने नहीं सुना। कांग्रेस और केजरीवाल सरकार, दोनों ने इसे लटकाए रखा। ये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी हैं जिन्होंने 1731 अनधिकृत कॉलोनियों को अधिकृत कर 40 लाख से अधिक लोगों को उनके घर का मालिकाना हक दिया है।

हम केजरीवाल नहीं, हम भारतीय जनता पार्टी हैं

श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस और केजरीवाल सरकार पिछले 20 वर्षों से दिल्ली की जनता को उनके अधिकारों से वंचित कर रखा था। हम अरविन्द केजरीवाल नहीं हैं, हम भारतीय जनता पार्टी हैं। हम जो कहते हैं, कर के दिखाते हैं। मोदी है तो मुमकिन है। दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-कटरा और द्वारा एक्सप्रेसवे बनाया गया। 112 जन-औषधि के केंद्र दिल्ली में खोले गए, उजाला योजना के तहत प्रदेश में 27 लाख एलईडी बल्ब बांटे गए, उज्ज्वला योजना के तहत एक लाख से ज्यादा महिलाओं को दिल्ली में गैस कनेक्शन दिया गया और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के हर किसान के बैंक एकाउंट में 6,000 रुपये तक की कृषि सहायता पहुंचाई गई। इतना सब मोदी सरकार द्वारा करने के बावजूद कांग्रेस और केजरीवाल सरकार कहती है कि दिल्ली में विकास हमने किया। श्रीमान केजरीवाल तो भाषण देने आते भी नहीं, केवल रोड शो करते हैं। बोलने के लिए कुछ है ही नहीं तो भाषण क्या देंगे! झूठे वादे करने वाले दिल्ली का विकास नहीं कर सकते, ये केवल और केवल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ही कर सकते हैं।

हम चाहते हैं ऐसी दिल्ली

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी विगत छः वर्षों से देश के सर्वांगीण विकास में लगे हुए हैं। पूरी दुनिया में आज मोदी-मोदी के नारे गूंजते हैं, यह सम्मान देश के सवा सौ करोड़ भारतीयों का सम्मान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने छः वर्षों में देश बदला है, देश की सोच को ऊपर उठाया है, अब दिल्ली को बदलने की बारी है। पांच वर्ष पूर्व दिल्लीवालों से गलती से गलती हुई थी, अबकी बार हम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के साथ चलें, यह हमारा संकल्प होना चाहिए। दिल्ली के युवा साइबर योद्धा इस संदेश को घर-घर पहुंचाए और दिल्ली की जनता इतने जोर से कमल पर बटन दबाये कि 8 फरवरी 2020 की शाम को शाहीन बाग वाले अपना बोरिया-बिस्तर उठा कर भाग जाएं। ■

प्रबुद्ध नागरिकों ने की राष्ट्रपति से अपील

सीएए के विरोध में हिंसा करने वालों पर कार्रवाई हो

देश के 154 प्रबुद्ध नागरिकों ने राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से संशोधित नागरिकता कानून एवं एनआरसी के विरोध के नाम पर हिंसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं को 'सुरक्षा प्रदान' करने की अपील की। राष्ट्रपति से अपील करले वाले इन प्रबुद्ध नागरिकों में शीर्ष सरकारी एवं संवैधानिक पदों से सेवानिवृत हुए लोग एवं बुद्धिजीवी आदि शामिल हैं।

केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण के अध्यक्ष और सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश श्री प्रमोद कोहली के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने 24 जनवरी को राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक तत्व संशोधित नागरिकता कानून के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनकारियों को प्रश्रय दे रहे हैं और इस अशांति का 'बाहरी आयाम' भी है। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें उच्च न्यायालयों के 11 पूर्व न्यायाधीश, आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और पूर्व राजनयिक समेत 72 पूर्व नौकरशाहों, 56 शीर्ष पूर्व रक्षा अधिकारियों, बुद्धिजीवियों, अकादमिक विद्वानों और चिकित्सा पेशेवरों के हस्ताक्षर हैं।

ज्ञापन में कहा गया है कि प्रबुद्ध नागरिक चाहते हैं कि केंद्र पूरी गंभीरता से इस मामले पर गौर करे और देश के लोकतांत्रिक संस्थानों की रक्षा करे एवं ऐसी ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करे। उसमें कहा गया है कि केंद्र की नीतियों के विरोध का दावा करने वाले इन प्रदर्शनों की रूपरेखा वाकई भारत के तानेबाने नष्ट करने और उसकी एकता एवं अखंडता को नुकसान पहुंचाने वाली बनायी गयी है। उसमें कहा गया है कि पूरे देश में डर का जो माहौल खड़ा किया जा रहा है, वह राजनीत से प्रेरित जान पड़ता है। ज्ञापन में कहा गया है, ''सीएए भारतीय नागरिकों पर कोई असर नहीं डालता, इसलिए नागरिकों के अधिकारों और आजादी पर खलल डालने का दावा सही नहीं ठहरता।"

इस ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में राज्यसभा के पूर्व महासचिव सर्वश्री योगेंद्र नारायण, केरल के पूर्व मुख्य सचिव सी वी आनंद बोस, पूर्व राजदूत जी एस अय्यर, पूर्व रॉ प्रमुख संजीव त्रिपाठी, आईटीबीपी के पूर्व महानिदेशक एस के कैन, दिल्ली पुलिस के पूर्व आयुक्त आर एस गुप्ता, पूर्व सेना उपप्रमुख एन एस मलिक जैसी कई प्रमुख हस्तियां शामिल हैं। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

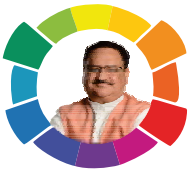

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

नई दिल्ली में मंत्रीपरिषद् की बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और साथ में केंद्रीय मंत्री श्री अमितशाह, श्री राजनाथ सिंह, श्री नितिन गडकरी व अन्य

कोलकाता में 'इंटरेक्टिव लाइट एंड साउंड शो' का शुभारंभ व बेलूर मठ की यात्रा करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

जोगबनी–विराटनगर में दूसरी एकीकृत निगरानी चौकी का वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संयुक्त रूप से उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और नेपाली प्रधानमंत्री श्री के. पी. शर्मा ओली

नई दिल्ली स्थित संसद भवन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश

अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध

लॉग इन करें:

www.kamalsandesh.org

राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh

@KamalSandesh

kamal.sandesh

KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20